दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 227
मुरादाबाद
(Tuesday)
09 December 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

जिन्ना की वजह से नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर संसद में चर्चा हो रही है। लोकसभा में चर्चा की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के कई मौकों का उल्लेख किया। साथ ही विपक्ष को भी घेरा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को जब लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा की शुरुआत की, तो उन्होंने विपक्ष को जमकर घेरा। उन्होंने वंदे मातरम को लेकर मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व वाली मुस्लिम लीग के विरोध का जिक्र और

तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 1905 में जो वंदे मातरम महात्मा गांधी को राष्ट्र गान के रूप में दिखता था, फिर भी पिछली सदी में इसके साथ इतना बड़ा अन्याय क्यों हुआ। वंदे मातरम के साथ विश्वासघात क्यों हुआ? अन्याय क्यों हुआ? वो कौन-सी ताकत थी, जिसकी इच्छा खुद पूज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ गई? जिसने वंदे मातरम जैसी पवित्र भावना को भी विवादों में घसीटा गया।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महात्मा गांधी ने 2 दिसंबर 1905 में लिखा था, जिस गीत वंदे मातरम को बंकिमचंद्र ने रचा है, वह पूरे बंगाल में लोकप्रिय हो गया है। स्वदेशी आंदोलन में बंगाल में विशाल सभाएं हुईं। लाखों लोगों ने इकट्ठे होकर वंदे मातरम गीत गाया। यह गीत इतना लोकप्रिय हो गया है, जैसा यह हमारा राष्ट्र गान बन गया हो। इसकी भावनाएं महान हैं और यह अन्य राष्ट्रों के गीतों से अधिक मधुर है। इसका एकमात्र उद्देश्य हम में देशभक्ति की भावना जगाना है। यह भारत को मां के रूप में देखता है और उसकी स्तुति देखता है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 1905 में जो वंदे मातरम महात्मा गांधी को राष्ट्र गान के रूप में दिखता था, पिछली सदी में उसके इसके साथ इतना बड़ा अन्याय क्यों हुआ? वंदे मातरम के साथ विश्वासघात क्यों हुआ? अन्याय क्यों हुआ? वो कौन-सी ताकत थी, जिसकी इच्छा खुद पूज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ गई? किसने वंदे मातरम जैसी पवित्र भावना को भी विवादों में घसीटा?

संक्षिप्त समाचार

चीन यात्रा के वक्त या वहां से जाते समय सावधानी बरतें, विदेश मंत्रालय ने चीन भारतीयों को दी चेतावनी

विदेश मंत्रालय ने चीन यात्रा पर भारतीयों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यह कदम तब उठाया गया जब अरुणाचल की थोंगडोक नाम की महिला को शंघाई एयरपोर्ट पर 18 घंटे रोककर उनका पासपोर्ट अमान्य बताया। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय ने कई और मामले की भी जानाकरी दी।भारत ने चीन की यात्रा करने वाले नागरिकों के लिए बड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि चीनी हवाई अड्डों से ट्रांजिट करने वाले भारतीयों के साथ अनुचित और भेदभावपूर्ण बर्ताव नहीं होना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि हाल की घटना ने गंभीर चिंता बढ़ाई है और इसलिए चीन यात्रा करने से पहले भारतीयों को पूरी सतर्कता बरतनी चाहिए।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत उम्मीद करता है कि चीन भारतीय यात्रियों को न तो निशाना बनाएगा, न ही मनमाने तरीके से हिरासत में लेगा। उन्होंने कहा कि भारत चाहता है कि अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा के नियमों का सम्मान किया जाए और भारतीयों को बिना वजह परेशान न किया जाए। प्रवक्ता ने कहा कि हाल की शिकायतों के बाद सरकार भारतीय नागरिकों को सलाह देती है कि वे चीन जाने या वहां से ट्रांजिट करने में सावधानी रखें।क्या था मामला, जिसे लेकर सरकार सख्त- पश्चिमी कामेंग जिले की रूपा की रहने वाली थोंगडोक, जो फिलहाल ब्रिटेन में रहती हैं, लंदन से जापान जा रही थीं।

मुरादाबाद में योगी : अगले साल होगा पंयायत चुनाव... एक भी वोट गलत न बने,

एसआईआर में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

मुरादाबाद में योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिधियों और अफसरों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि एसआईआर में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फर्जी वोटरों के नाम हटवाने और सही वोटरों को जोड़ने का काम समय पर करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एसआईआर में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पार्टी के जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता टोलियां बनाकर घर-घर जनसंपर्क करें। फर्जी वोटरों के नाम हटवाएं और सही वोटरों को जोड़ने का काम करें।योगी आदित्यनाथ ने मुरादाबाद के सर्किट हाउस में सोमवार दोपहर

एसआईआर को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान मंडल के जिला प्रभारियों और जिलाध्यक्षों ने विकास की योजनाओं और एसआईआर की प्रगति के बारे में जानकारी दी।मुख्यमंत्री ने कहा कि आम जनता के लिए एसआईआर गंभीर मुद्दा है। पार्टी के बीएलओ -1, बीएलओ -2 का सहयोग करें। बांग्लादेशी घुसपैठिये किसी कीमत पर वोटर नहीं बनने चाहिए। पार्टी के जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी लापरवाहीं न बरतें। मतदाता सूची 2003 के अनुसार मृत और फर्जी वोटरों के नाम कटवाएं। इसके लिए पार्टी के पदाधिकारियों को कार्यकर्ताओं के साथ टोली बनाकर घर घर जनसंपर्क करना होगा। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी लें। विकास की योजनाएं कहां तक पहुंची है। अगले साल पंचायत चुनाव और उसके बाद विधानसभा चुनाव आएंगे। इस कारण पार्टी की तैयारी मजबूत रहनी चाहिए। रेड कारपेट बिछी रही,नहीं गए मुख्यमंत्री- नगर निगम ने मुख्यमंत्री को निर्माणाधीन वार मेमोरियल दिखाने के लिए पूरा इंतजाम किया था। रेड कारपेट बिछाए गए थे लेकिन किसी कारणों के वजह से मुख्यमंत्री वहां नहीं गए। रेड कारपेट और सारे इंतजाम धरे के धरे रह गए।

राजकोट में जेल से रिहा हुए किसानों से मिले केजरीवाल, भाजपा पर झूठे मुकदमों का आरोप

आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को गुजरात के राजकोट में उन किसानों से मुलाकात की, जिन्हें विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लेकर जेल भेजा गया था। केजरीवाल ने भाजपा सरकार पर झूठे मुकदमे दर्ज कर किसानों की आवाज दबाने का आरोप लगाया और रिहा हुए किसानों को सम्मानित करते हुए कहा कि,क्क उनके हक की लड़ाई में पूरी तरह साथ खड़ी हैआम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को गुजरात में किसान आंदोलन से जुड़े परिवारों से मुलाकात की। राजकोट पहुंचे केजरीवाल ने जेल से रिहा हुए किसानों से आमने-सामने बातचीत की और उन्हें सम्मानित करते हुए उनके संघर्ष को सलाम किया। उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा शासित राज्य में

88 किसानों को, जो सिर्फ अपने हक मांगने के लिए सड़कों पर आए थे, झूठे मुकदमों में फंसा कर जेल भेजा गया, उनके परिवारों को परेशान किया गया।गांधी जी ने अंग्रेज़ों को खदेड़ने के लिए 'अंग्रेज़ों भारत छोड़ो' आंदोलन शुरू किया था और अब हड़दड़ का आंदोलन 'भाजपा गुजरात छोड़ो' आंदोलन साबित होने वाला है।केजरीवाल ने आगे कहा कि मैं आपका छोटा भाई बनकर आपसे मिलने आया हूं और आपको भरोसा दिलाता हूं कि पूरी आम आदमी पार्टी आपके साथ खड़ी है और हम गुजरात से भाजपा को भगाकर ही दम लेंगे।

वंदे मातरम पर चर्चाः अखिलेश ने सरकार को घेरा, कहा- कुछ लोग बांटने का रास्ता अपना रहे, आजादी के बाद तिरंगा...

लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्ता पक्ष पर जमकर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि सत्ता पक्ष हर चीज पर अपना अधिकार करना चाहता है। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रवाद पर भी सवाल उठाए।लोकसभा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्ता पक्ष पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि जिस तरह से अंग्रेजों ने लोगों को बांटकर भारत पर राज किया, उसी तरह से सत्ता पक्ष लोगों को बांटकर, मतभेद पैदा कर सत्ता में बने रहना चाहता है। अखिलेश यादव का तंज- सत्ता पक्ष हर चीज पर अपना अधिकार करना चाहता है अखिलेश यादव ने लोकसभा में वंदे मातरम गीत पर चर्चा के दौरान कहा, %हमारे सत्ता पक्ष के लोग हर चीज पर अपना अधिकार जमाना चाहते हैं। जो महापुरुष उनके नहीं है, उन्हें भी वो अपना बताते हैं।

भाजपा का जब गठन हो रहा था, उस इस बात पर बहस हुई थी कि भाजपा सेक्युलर रास्ते पर जाएगी या नहीं। उस वक्त के अध्यक्ष ने समाजवाद और सेक्युलर रास्ता अपनाया। अखिलेश यादव ने कहा, वंदे मातरम सिर्फ गाने के लिए नहीं है बल्कि निभाने के लिए भी होना चाहिए। जिस वंदे मातरम ने सभी को जोड़ा आज के दरारवादी लोग उसी से देश को तोड़ना चाहते हैं। ऐसे लोगों ने पहले भी देश के साथ दगा किया। वंदे मातरम कोई राजनीति का विषय नहीं है। सत्ता पक्ष की बातों से लगता है कि वंदे मातरम उन्होंने ही लिखवाया है। जिस पार्टी ने देश की आजादी में भाग नहीं लिया, वो वंदे मातरम का महत्व क्या जानेंगे। असल में ये राष्ट्रवादी नहीं, राष्ट्रविवादी लोग हैं। जैसे अंग्रेज लोगों को बांटकर राज करते थे, वैसे ही आज कुछ लोग बंटवारे का रास्ता अपना रहे हैं। उत्तर प्रदेश में प्राइमरी स्कूल बंद किए जा रहे

अखिलेश यादव ने कहा, वंदे मातरम केवल गीत नहीं है, ये हमें ऊर्जा भी देता है। ये एकजुटता का नारा था और लोगों ने जाति-धर्म को भुलाकर अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी। आज जब हम इस पर चर्चा कर रहे हैं तो सवाल उठता है कि हम कैसा देश बनाना चाहते हैं और इसे किस दिशा में लेकर जा रहे हैं। देश में जब अंग्रेजों का शासन था, तब वंदे मातरम गाने पर बच्चों पर मुकदमे लिखे गए। आज जब हम आजाद हैं तो यूपी में प्राइमरी स्कूल बंद किए जा रहे हैं और स्कूल जाने वाले बच्चों और पढ़ाने वालों पर मुकदमे किए जा रहे हैं।

जितने साल से मोदी पीएम, उतने साल नेहरू जेल में रहे ; संसद में बोलीं प्रियंका गांधी

लोकसभा में वंदे मातरम पर हुई बहस के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह चर्चा जनता के असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए कराई गई है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम 150 साल से देश की आत्मा का हिस्सा है, इसलिए अब बहस की जरूरत नहीं थी।केरल की वायनाड सीट से चुनकर लोकसभा पहुंचीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी वंदे मातरम पर चर्चा में भाग लिया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि संसद में इस समय ये चर्चा इसलिए कराई गई, क्योंकि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। प्रियंका गांधी ने संसद में आगे कहा कि वंदे मातरम केवल भावना नहीं, बल्कि देश की आजादी की लड़ाई की ताकत और नैतिकता का प्रतीक है।उन्होंने कहा कि इस गीत ने ब्रिटिश साम्राज्य को भी झुकने पर मजबूर किया था। प्रियंका ने कहा कि वंदे मातरम नाम लेते ही स्वतंत्रता संग्राम की यादें और उसका साहस सामने आ जाता है। उन्होंने आगे कहा कि 1930 के दशक में सांप्रदायिक की

राजनीति उभरी तब ये गीत विवादित होने लगा। उन्होंने आगे कहा कि 1937 में नेताजी कोलकाता में कांग्रेस अधिवेशन का आयोजन कर रहे थे। 20 अक्तूबर का लेटर उन्होंने सुनाया, लेकिन इससे पहले उन्होंने नेहरू को एक चिट्ठी लिखी थी, इसका पीएम मोदी ने जिक्र नहीं किया।हम देश के लिए हैं, आप चुनाव के लिए हैं- प्रियंका गांधी- प्रियंका ने कहा कि हम देश के लिए हैं, आप चुनाव के लिए हैं। 17 अक्तूबर को चिट्ठी के जवाब में नेहरू ने 20 अक्तूबर की चिट्ठी में लिखा- मैंने तय किया है कि मैं 25 अक्तूबर कोलकाता आऊंगा, टैगोर से मिलूंगा। 28 अक्तूबर को कांग्रेस ने वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत घोषित किया। इस कार्यसमिति की बैठक में सभी महापुरुष मौजूद थे। सभी इस प्रस्ताव से खुश थे। सहमत थे। वंदे मातरम पर बहस की जरूरत क्यों?

प्रियंका गांधी का सवाल- संसद में वंदे मातरम पर हो रही बहस के बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सवाल उठाया कि आखिर इसकी जरूरत क्या थी। उन्होंने कहा कि यह गीत 150 साल से देश की आत्मा का हिस्सा रहा है और 75 साल से आज़ाद भारत में जनता के दिलों में बसता आया है। प्रियंका ने पूछा कि आज इस पर बहस कर सरकार क्या साबित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष को जनता की जिम्मेदारियों पर ध्यान देना चाहिए, न कि ऐसे मुद्दों पर विवाद खड़ा करना चाहिए। मोदी जितने साल से पीएम हैं, उतने साल तो नेहरू ने जेल में बिताए- कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में वंदे मातरम पर चल रही बहस के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोला। भीमराव आंबेडकर जैसे महान नेताओं का अपमान है। प्रियंका ने कहा कि प्रधानमंत्री 12 साल से देश चला रहे हैं, और यह वही अवधि है जितने साल पंडित नेहरू ने आज़ादी की लड़ाई में जेल में बिताए थे।प्रियंका गांधी ने कहा कि पंडित नेहरू ने 12 साल जेल में रहने के बाद देश का 17 साल तक नेतृत्व किया था।

संपादकीय Editorial

The Crocodile in the Mahakumbh

The winter session witnessed many Mahakumbhs and many crocodiles. Some were angry, others lost their kohl. For the first time, enthusiasm was seen beyond borders, but what about Tapovan, now it has become a revolution. Needless to say, the condition of the common man has deteriorated in current politics. The character of the House has been brought to the streets, or rather, the streets have now reached the House. This is because outside the House there were placards of the ruling party and the opposition, the only difference being that both were facing each other. What kind of confrontation did Leader of the Opposition and former Chief Minister Jai Ram Thakur have with Revenue Minister Jagat Singh Negi that changed the etiquette of the House? What did a political science student achieve, or what complaint did the state have that made the Zorawar Stadium outside the House resonate. In this Geetanjali of anger, new songs and slogans at Zorawar Stadium show that if the BJP decides to act, it knows how to build a caravan.

The BJP has pinched the three-year rule of the Congress party, dividing its power and its land. They have the palace of power in front of us, and here we have lit lamps. The opposition has plenty of fuel, and this rally proved it. The BJP brought together the family under a common roof, bringing together all the faces who need to build their image in the face of the next election. Call it a Mahakumbh of criticism, because Bihar's victory at the national level has begun to tickle the party.

Kangana Ranaut from Mandi may have been present in Parliament, but all the other MPs from the state continued to demonstrate their participation in the opposition's opposition. There were mountains of personalities, oceans of existence, and the state's hopes adorning the court. Despite this, we cannot name a single BJP leader. The hearing was for the Sukhu government, so the Leader of the Opposition kept criticizing every action of the ruling Congress party. All controversies aside, the issue of chicken versus lentils on the other side. In the excitement of the rally, the BJP's call to arms was heard, and the samosa's leg jumped.

When the strength of Dr. Rajiv Bindal's organization swelled in the packed stadium, the sloganeers' voices reached fever pitch. Numerous issues were mobilized, and the political waters were full, so the BJP kept its intention of criticizing the BJP. Women were the dominant force there, so the guarantees were met with demands for a right of fifteen hundred rupees. Beyond the BJP's wasteful criticism, the question is how much enthusiasm the Congress, under the leadership of its new state president, can muster against the BJP. At the proposed rally in Mandi, it's time to summarize its three years in power and its resolve to continue its mission repeat for the next two years. The BJP has filled its hands with questions both inside and outside the Assembly. One case, "Voice of Democracy," and the other, "Voice of the People," are asking numerous questions. The opposition's gathering has reached outside the House, and now it remains to be seen how long the Congress soldiers will last. Clearly, this wasn't just the Assembly's winter session; every moment, so close to the Tapovan complex, was an opportunity to speak out. It is an enhancement to the democratic image of Himachal that here the opposition, by taking out the debt of the state's soil before the ruling party, asks how much debt will you repay, how much duty will you fulfill as a government.

Unprepared decisions increased public inconvenience, and the DGCA appeared incompetent.

Passengers were inconvenienced by the cancellation of IndiGo flights due to unprepared regulations. The DGCA was forced to withdraw its decision regarding pilot rest and landing limits. The question is why IndiGo failed to comply with the new regulations, while other airlines were able to. Those responsible for this situation must be held accountable. IndiGo flights cancelled, passengers upset - DGCA reverses decision - why were rules not followed? The adverse consequences of implementing a correct decision without proper preparation are exemplified by the cancellation of

hundreds of flights by IndiGo, the largest domestic airline, over the past several days, causing inconvenience to a large number of passengers. Given the inconvenience caused to air passengers, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) was forced to withdraw its decision, which was essential for safe air travel. This decision increased the weekly rest period for pilots from 36 to 48 hours, and reduced the night landing limit from six to two. Since this decision was in line with international standards, the DGCA should have ensured that all airlines were prepared to comply. There are good reasons to believe that the DGCA failed to monitor whether IndiGo had made the necessary preparations to comply with the new regulations.

Why shouldn't the DGCA have checked whether IndiGo would have sufficient pilots to operate its flights if the new regulations were implemented? Either the DGCA didn't bother to check, or IndiGo management kept it in the dark. Whatever the circumstances, the apparent helplessness and incompetence of a major regulatory body is not a good sign.

The crisis faced by air travelers raises serious questions about the efficiency and vigilance of the DGCA as well as the Ministry of Civil Aviation. It is essential not only to answer these questions, but also to hold those responsible for the unpleasant situation that arose accountable.

In this regard, it must be investigated that if other airlines were able to comply with the DGCA's new regulations, why couldn't IndiGo? Could it be because it had no intention of doing so? It should be asked why it didn't hire additional pilots to comply with the new regulations? After all, the new regulations weren't implemented overnight. It is not satisfactory that IndiGo management expressed regret for the inconvenience caused to passengers, because it deliberately caused inconvenience. If the DGCA had to reverse its decision, it was due to circumstances that IndiGo deliberately created. After all, what could be worse than a company being able to pressure the regulatory body itself?

A report on MSMEs reveals the burden of unnecessary regulations and compliances.

A recent report highlights the burden of regulations and compliances on MSMEs, requiring an entity to meet 1,456 compliances annually. The RBI has reduced its regulatory scope by 97%. The Gauba Committee has suggested reforms to licensing and inspection systems, which will promote economic freedom and innovation. MSMEs are burdened with 1,456 compliances. RBI reduces regulations by 97%. Gauba Committee's reform recommendations. India has long been one of the world's fastest-growing economies. Despite this rapid growth, many experts believe that the Indian economy is still underperforming its potential. This means that the Indian economy is capable of growing even faster, but there are some obstacles in the way. One such obstacle is the burden of regulations and compliances.

A recent report titled "Examining Compliances for MSME Manufacturing in India" highlights this. According to this, MSMEs operating in a state have to meet approximately 1,456 compliance criteria annually. Of these, 998 are extremely stringent. They must obtain more than 70 permissions per year, maintain approximately 48 statutory registers, and prepare for approximately 59 different inspections. As if this isn't enough, 9,321 regulatory amendments were made during the financial year 2024-25. These changes will impact approximately 65 million MSMEs operating in the country. This will increase their compliance costs. The annual burden on each unit increases by ?13 to 17 lakh. This is a significant burden on small enterprises with already limited resources. Remember, these enterprises, which account for 30 percent of GDP, are also major sources of employment generation. On November 28th, the Reserve Bank of India took an extraordinary initiative to address these regulatory challenges. It has voluntarily reduced its regulatory scope by 97 percent. This signals a profound policy shift. It would be incorrect to suggest that a high-level committee of the NITI Aayog played a role in this change. The Reserve Bank's move is the result of its own internal review and regulatory streamlining efforts.

As for the committee chaired by former Cabinet Secretary Rajiv Gauba in the NITI Aayog, it focuses on reforms related to non-financial regulations such as licenses, permits, inspection systems, and compliance burdens. The Gauba-led committee has proposed a regulatory system that promotes trust and transparency. It aims to eliminate the need for regular licenses and NOCs, shift inspections to accredited third parties, and ensure that each regulation considers the compliance costs and burdensome assessment of its implementation. The underlying principle is that regulations should be designed to provide protection rather than create administrative hurdles. Regulatory reforms form the basis for improving economic performance. This reduces financial burdens for management and saves time and resources. Stability and predictability in regulations create a better investment landscape. This is crucial for sectors like semiconductors and renewable energy, where the payback period is relatively long. Easier regulations also encourage the organization and formalization of economic activities.

Considering the Gauba Committee's recommendations in this regard, it prioritizes economic freedom. According to it, licenses and permissions should be limited to sensitive areas. Regulatory matters, such as national security, environmental risks, and public health threats, should be the only ones covered by the regulations. This recommendation changes the current system where enterprises and entrepreneurs must undergo examinations before operations. Even if licenses are required, they should be permanent. If there are no inherent risks, renewal should not be required. The Committee's recommendations emphasize the elimination of the "inspection raj," entrusting inspections to a third party, or a neutral body. This will reduce conflicts of interest. Technology-based inspections also reduce human intervention.

A good regulatory system is one that provides stability to the state. To this end, irregularity in regulatory amendments is not appropriate. Instead of making them at regular intervals, it would be appropriate to do so once or twice a year. There should also be scope for review and suggestions at the regulatory level. A Regulatory Impact Assessment (RIA) is equally important before implementing each rule. While this will reduce compliance costs for industrial units, it will also facilitate enforcement costs at the government level. Existing rules should also be reviewed in a phased manner to eliminate any duplication. While adherence to rules is essential for any system, unnecessary and unreasonable penalties also cause more harm. For example, providing some relief in terms of penalties for filing delays, clerical errors, and technical flaws would not be wrong. There are 486 such sections for MSMEs in India.

सीएम योगी अंदर कर रहे थे बैठक, बाहर महिलाओं ने काटा हंगामा, छेड़खानी केस में पुलिस पर गंभीर आरोप

छेड़खानी के मामले में कार्रवाई नहीं करने से नाराज महिलाओं ने जमकर हंगामा काटा। जिस समय

यह हंगामा हुआ उस दौरान सीएम योगी सर्किट हाउस के अंदर बैठक कर रहे थे। सीएम योगी आदित्यनाथ के मुरादाबाद आगमन के दौरान सोमवार को भोजपुर थाना क्षेत्र की महिलाओं ने जमकर हंगामा काटा। किशोरी से छेड़छाड़ और शिकायत करने पर परिजनों से मारपीट करने के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज महिलाओं ने न्याय की गुहार लगाई।आरोप है कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। भोजपुर क्षेत्र के एक गांव की 16 वर्षीय किशोरी ने आरोप लगाया था कि 16 अक्टूबर को घर में अकेली होने पर पड़ोस के कुछ युवकों ने उसके साथ छेड़छाड़ की थी। विरोध करने पर धमकी देकर भाग गए।परिजनों ने जब आरोपियों के घरवालों से शिकायत की तो उनके साथ मारपीट की गई। इस घटना में 27 नवंबर को 10 नामजद सहित कुछ अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया था। परिजनों का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी पुलिस ने किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया। सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ के सर्किट हाउस पहुंचने पर किशोरी के परिवार की महिलाएं गेट पर एकत्र हो गईं। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। हंगामे के दौरान किशोरी की मां और एक अन्य महिला गश खाकर सड़क पर लेट गईं। मौके पर मौजूद पुलिस ने दोनों को उठाकर महिला थाने भिजवाया। बाद में अन्य महिलाओं को भी समझाकर वहां से हटाया गया। पुलिस ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है।

संजय सिंह बोले...बिहार के बाद यूपी में एसआईआर से वोट काटने की साजिश

रामपुर । एसआईआर मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद रविवार को आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ज्वालानगर स्थित नूर जहां के घर पहुंचे और उनकी बात सुनी। उन्होंने सांसद ने कुवैत में रह रहे उनके बेटे आमिर और दानिश से फोन पर बात की। सांसद ने कहा कि बिहार के बाद यूपी में एसआईआर के बहाने वोट काटने की साजिश है। उन्होंने कहा कि

वह इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे। कहा कि सरकार लोकतंत्र का गला घोट रही है। वोटों पर डकैती डाल रही है। कहा कि एसआईआर का मखौल उड़ाया जा रहा है। एक बूढ़ी महिला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हो गई। महिला ने विदेश में रह रहे बेटे का एसआईआर फार्म भर दिया। कहा कि नियम में है कि कोई भी प्रवासी भारतीय भारत का मतदाता बन सकता है। परिवार का कोई सदस्य एसआईआर फार्म पर हस्ताक्षर कर सकता है। हस्ताक्षर कर उन्होंने लिख दिया माता। कहा कि एसआईआर के तहत बिहार में जो घोटाला हुआ है वहीं किया जा रहा है। मुसलमान, यादव, पासी और वर्मा के वोट काटे जा रहे हैं। कहा कि कोई महिला को गिरफ्तार करने आता है तो आप के कार्यकर्ताओं समेत वह भी गिरफ्तारी देंगे। सांसद ने कहा कि कोई प्रवासी भारतीय अपने देश में मतदाता हो सकता है। कुवैत में रह रहे दानिश और आमिर की मां का नाम एसआईआर फार्म में दर्ज है। प्रशासन ने उन लोगों के खिलाफ गलत तरीके से मुकदमा दर्ज कराया है। वह इस मामले को संसद में उठाएंगे और दुनिया को बताएंगे कि किस तरह वोटों की डकैती की जा रही है। जबकि संविधान भी विदेशों में रहे भारतीयों को भारत का मतदाता होने पर कोई रोक नहीं लगाता है। सांसद ने नूरजहां को भरोसा दिलाया कि वह उनको इंसाफ दिलाएंगे। इस मौके पर आप नेता फैसल लाला, सभासद फहीम अंसारी, आरिफ सिकंदर, राजू, हबीब अहमद, गुड्डू महफूज, यासीन गुड्डू, मोहम्मद जफर, सरफराज गुड्डू समेत काफी लोग मौजूद रहे।

रैन बसेरा न ही जल रहे अलाव, खुले में सर्द रातें काट रहे मुसाफिर

अमरोहा । ठंड अपना असर दिखाने लगी है। अधिकतम तापमान 22 डिग्री तो न्यूनतम पारा 10 डिग्री तक पहुंचने लगा है। रातें सर्द होने लगी हैं, लेकिन जिम्मेदार अब तक रैन बसेरे का इंतजाम नहीं कर पाए। बाहर से आने वाले मुसाफिरों को हकीकत सामने आई। जिले में अस्थायी रैन बसेरे जाती है, लेकिन इस बार नवंबर बीत गया है, व्यवस्थित इंतजाम नहीं है। दूरदराज से आने वाले पड़ रहा है। रोडवेज और रेलवे स्टेशन पर राहगीर व रोडवेज पर रात को कंबल के सहारे रात सर्द हवाएं रात में कई बार जगने को मजबूर कर पालिका द्वारा रोडवेज के पीछे महिला और पुरुषों व्यवस्था कुछ ठीक नहीं है। शहर में अभी तक जा रही है। ठिठुरन बढ़ने से जनजीवन अस्त किया गया है। रविवार सुबह आसमान में घना दिए। चालकों को वाहनों की हेडलाइट जलानी राहत की सांस ली। गौरतलब है कि दिसंबर के दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे के अलावा अन्य

इधर-उधर रात काटनी पड़ रही है। रविवार को पड़ताल में के लिए हर साल नवंबर की शुरूआत में ही प्रक्रिया शुरू हो दिसंबर के एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी रैन बसेरों में कोई लोगों को रात गुजारने में काफी मुश्किलों का सामना करना अपने स्तर से व्यवस्थाएं करके रात गुजार रहे हैं। रेलवे स्टेशन गुजारते लोग देखे जा सकते हैं।नीचे से फर्श ठंडी और ऊपर से देती हैं। कई जगहो पर तो रैन बसेरे चलते हुए नहीं मिले। नगर के लिए अलग रुकने की व्यवस्था कराती है। लेकिन वहां भी नहीं बना रैन-बसेरा- कोहरे की घनी चादर के साथ ठंड बढ़ती व्यस्त होने लगा है। इस बीच रैन बसेरों का कोई इंतजाम नहीं कोहरा छाया रहा। ठंडी हवा चलने पर लोग ठिठुरते दिखाई पड़ी। धूप निकलने के बाद कोहरा छंटने पर वाहन चालकों ने पहले सप्ताह में ही मौसम ने करवट बदली है। कोहरा छाने से सड़कों पर यातायात प्रभावित हो रहा है। वहीं शाम के बाद बाहर से आने वाले लोग और बसों, टैक्सियों से उतरने वाले यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। रैन बसेरे की कोई व्यवस्था अभी तक नहीं की गई है। फुटपाथ पर सो रहे बेसहारा लोग भी ठंड में ठिठुर रहे हैं। ईओ ललित कुमार आर्य ने बताया कि रैन बसेरे की सभी तैयारियां पूरी हैं। शासन से आदेश मिलते ही संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

अस्पताल में महिला के शव से कर दिए लाखों के जेवर गायब, सीसीटीवी से खुली स्टाफ की शर्मनाक हरकत

मुरादाबाद। सिविल लाइंस के एक अस्पताल इलाज के दौरान एक महिला की मृत्यु के बाद उसके गले से सोने का मंगलसूत्र, चेन और हीरे का पेंडल गायब होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने स्टाफ पर आभूषण चोरी का गंभीर आरोप लगाते है। पुलिस सीसीटीवी की फुटेज आरोपी को से उसे जेल भेज दिया।अधिवक्ता संदीप भटनागर रविवार को उनकी बुआ सरोज भटनागर को हार्ट एक अस्पताल में भर्ती कराया था। अस्पताल पर लिटाकर पर्दा कर दिया और कुछ देर बाद लेकर पहुंचे तो मृतका के गले में पहना हुआ गायब मिले। तभी उन्होंने अपने भाई अक्षत और लेकिन स्टाफ ने स्पष्ट रूप से कहा कि उनके गले द्वारा आभूषण चोरी का आरोप लगाते हुए पुलिस लाइन कोतवाली मनीष सक्सेना ने बताया कि

हुए थाना सिविल लाइंस में मुकदमा दर्ज कराया अस्पताल से पकड़ कर कोर्ट में पेश किया जहां ने सिविल लाइन थाने दी तहरीर में बताया कि अटैक आया था। उन्हें गंभीर हालत में शहर के कर्मचारियों ने उन्हें बेहोशी की हालत में स्ट्रेचर बताया कि मौत हो गई है। परिजन जब शव घर मंगलसूत्र, सोने की चेन और हीरे का पेंडल विनय भटनागर को तत्काल अस्पताल भेजा, में कोई आभूषण नहीं था। संदीप ने कर्मचारियों को तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक सिविल तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने अस्पताल में जाकर सीसीटीवी फुटेज से आरोपी कर्मचारी अजय कुमार पुत्र परमेश्वर निवासी नवाबपुरा थाना मूंढापांडे जनपद मुरादाबाद को पकड़ लिया और चोरी आभूषण बरामद कर लिए हैं।

जिले में फल-फूल रहा ई-रिक्शा चार्जिंग का अवैध धंधा, कनेक्शन दो किलोवाट मगर चार्जिंग 24 घंटे

मुरादाबाद। जिले में बिजली विभाग के जेई और लाइनमैन की मिलीभगत से ई-रिक्शा बैटरी चार्जिंग का अवैध कारोबार चरम पर है। दो किलोवाट के घरेलू कनेक्शन लेकर 24 घंटे लगातार बैटरी चार्जिंग की जा रही है, जबकि इतना भारी लोड धोखा देकर चल रहे इन चार्जिंग कारखानों ने कई का आरोप है कि साइड से कटिया डालकर रिक्शा नबाबपुरा, चक्कर की मिलक और असालतपुरा अवैध पुलिस और छड़ियों वाले मैदान के बीच चार से पांच मिलक बढ़ई वाली में डी आई जी कार्यालय से आगे रिक्शा चार्जिंग की बड़ी-बड़ी यूनिटें चल रही हैं। है,लेकिन मशीनें और चार्जिंग बोर्ड 10-15 किलोवाट की जानकारी विभागीय कर्मचारियों को पहले से किसी पर कार्रवाई।इन मोहल्लों में पिछले कई महीनों

सामान्य कनेक्शन पर बिल्कुल भी अनुमन्य नहीं है। विभाग को मोहल्लों को फॉल्ट और ओवरलोडिंग का बड़ा कारण बने है। लोगों चार्जिंग करने का कारोबार चल रहा है। रविवार को इन मोहल्ले चार्जिंग के सबसे बड़े ठिकाने देखने को मिले।नबाबपुरा,घोसियों की ठिकाने ई रिक्शा चार्जिंग अवैध रूप से संचालित है। चक्कर की दो चार्जिंग कारखाने और असालतपुरा क्षेत्रों में कई जगहों पर ई- इनमें से ज्यादातर के पास घरेलू या दो किलोवाट का कनेक्शन तक बिजली खींचते हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि इन कारखानों होती है, लेकिन सांठगांठ के कारण न तो जांच होती है और न ही से बार-बार फाल्ट होने की स्थिति बनी हुई है। ट्रांसफॉर्मर गरम होना,लाइनों का ट्रिप होना जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। लगातार ओवरलोडिंग का दबाव झेल रही लाइनों में फॉल्ट आम हो गए हैं। कई बार तो सुबह से लेकर दोपहर तक या देर रात से सुबह तक बिजली पूरी तरह गायब रहती है। मुख्य अभियंता विद्युत वितरण खंड मुरादाबाद अशोक कुमार चौरासिया ने बताया कि जल्द ही महानगर में चल रहे ई रिक्शा चार्जिंग के ठिकानों पर छापेमारी कार्रवाई की जाएगी। जो कर्मचारी इसमें लिप्त मिला उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कांठ में तेंदुए का जोड़ा दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत

कांठ, । तहसील क्षेत्र के गांव मुख्तियारपुर नवादा के पास स्वामी चमन ऋषि महाराज के आश्रम के पास तेंदुए का जोड़ा दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त हो गई है। मुख्यत्यारपुर

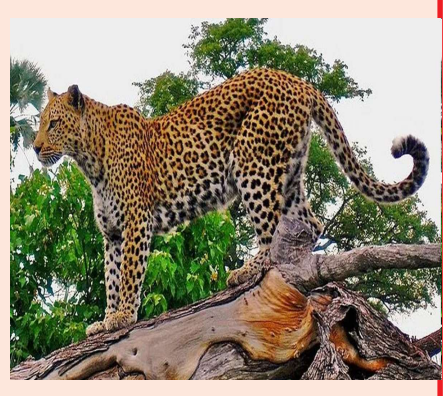

नवादा से जा रही रसूलपुर मार्ग पर नहर के समीप अधिकांश स्वामी चमन ऋषि महाराज के आश्रम पर तेंदुए का जोड़ा दिखाई देता है। अनेक ग्रामीण बहुत तेंदुए को देख चुके हैं। किसान काफी भयभीत हैं और अपने खेतों में जाते हुए भी डर रहे हैं। खेतों में तेंदुए के पंजों के निशान भी किसानों को देखने को मिले हैं। अमरोहा रेलवे फाटक की मरम्मत के चलते यह मार्ग अत्यंत व्यस्त हो गया है।स्कूली बच्चे भी इधर से आज आवागमन करते हैं। कुछ जागरूक लोगों ने आश्रम में तेंदुए की वीडियो भी बनाई है। अनेक ग्रामीण वन विभाग से तेंदुए को पकड़वाये जाने की मांग कर रहे हैं।

रेत से भरे डंपर ने कार को मारी टक्कर, दो की मौत

टांडा। दढ़ियाल क्षेत्र में रेत से भरे डंपर ने कार को टक्कर मार दी। इससे कार में सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि उनका साथी घायल हो गया। हादसे के बाद डंपर गड्ढे में पलट गया। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। इस बीच चालक मौके से भाग गया। पुलिस को तहरीर दी गई है। परिजनों का आरोप है कि एआरटीओ की चेकिंग से घबराकर चालक ने डंपर को दौड़ा दिया और अनियंत्रित होकर कार में टक्कर मार दी, जबकि एआरटीओ ने चेकिंग की बात से ही इन्कार किया है।यह हादसा शनिवार की रात 11 बजे सरकथल गांव के पास हुआ। गांव के पास तेज गति से आते डंपर ने कार में टक्कर मार दी। जिससे कार में सवार टंडोला निवासी कार चालक असद (24) की मौके पर ही मौत हो गई। उनका साथी शाहनूर व मुस्तकीम घायल हो गए। हादसे के बाद डंपर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। हादसे के बाद शाहनू (24) को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।परिजनों का कहना है कि शाहनूर और घायल मुस्तकीम दोनों दोस्त है और इनका एक दूसरा दोस्त अरमान नागालैंड में कार्य करता है। वह वहां बीमार हो गया था, जिसे लेने के लिए दोनों पहले दिल्ली ओर वहां से नागालैंड जाने वाले थे। लेकिन, इससे पहले ही हादसा हो गया। शाहनूर चार भाइयों में से एक था और केरल में हेयर कटिंग का काम करता था। उसका बड़ा भाई शाहनवाज सऊदी अरब में इसी पेशे से जुड़ा है। असद तीन भाइयों में सबसे बड़ा था और टैक्सी चलाकर परिवार का पालन-पोषण करता था। उसके पिता और भाई सऊदी अरब में कार्यरत हैं, जबकि परिवार में तीन बहनें हैं। परिजनों का आरोप है कि एआरटीओ की सघन चेकिंग के दौरान खनन वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। चेकिंग से बचने के लिए वाहन जल्दबाजी में तेज रफ्तार से दौड़ाए जाने लगे। इसी दौरान एआरटीओ ने वाहन का पीछा किए जाने से हालात और बिगड़ गए और हादसा हो गया। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया। देर शाम दोनों का दफन कर दिया गया। थानाध्यक्ष संदीप मिश्रा ने बताया कि अभी इस मामले की तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया है,जबकि चालक मौके से फरार हो गया है। शनिवार रात दढ़ियाल क्षेत्र में खनन से लदी किसी भी गाड़ी की चेकिंग परिवहन विभाग द्वारा नहीं की गई थी। यदि किसी को कुछ शक है तो वह सीसीटीटी फुटेज भी चेक करा सकते हैं।-राजेश श्रीवास्तव एआरटीओ

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

शौचालय के टैंक में डूबने से मासूम की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत (एसएनबी)। पड़ोस के मकान में बन रहे शौचालय के टैंक में गिरने से मासूम की मौत हो गई सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया । अचानक हुए इस हादसे से पूरा परिवार सदमे में आ गया आग की तरह फैली खबर से मासूम के घर के बाहर देखने वालों का मेला लग गया। दियोरिया कोतवाली क्षेत्र की ग्राम पंचायत दियोहना के गाँव पिपरैया निवासी विनोद कुमार का 6 वर्षीय पुत्र सूर्यांश दोपहर 12 बजे के लगभग घर से बाहर खेलने निकला था वह अपने ही घर के पड़ोस में बन रहे टैंक में किसी प्रकार पहुंच गया वहां निर्माणधीन मकान में शौचालय के लिये बने पानी से भरे लगभग 4 फिट गहरे टैंक में किसी प्रकार गिर गया। एक घन्टे के बाद बच्चे को ढूंढा गया तो पानी मे डूबा हुआ पाया जिसे पीरिजन जीवन की उम्मीद में एक निजी चिकित्सक के पास इलाज के लिए ले गए जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम का शव वापस घर पहुचने पर घर मे कोहराम मच गया। मृतक मासूम के पिता काफी समय से जेल में हैं दादा ईश्वरी प्रसाद गाँव में एक मंदिर के पुजारी हैं। मासूम की मौत की खबर सुनकर ग्रामीणों की काफी भीड़ एकत्र हो गयी। वहीं परिवार वालों का रो रोकर बुरा हाल है।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं रिदम 2025 का हुआ शुभारंभ

एकल गायन और कार्टूनिंग की हुई प्रतियोगिताएं

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली के विश्वविद्यालय सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आज दिनांक 8 दिसंबर से 12 दिसंबर तक वार्षिक सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं की श्रृंखला रिदम 2025 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। आज दिनांक 8 दिसंबर को एकल गायन तथा कार्टूनिंग की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने शास्त्रीय संगीत से लेकर लोक संगीत की विविध विधाओं में अपनी कला का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया।निर्णायक मंडल में डॉ.ज्योति पाण्डेय, डॉ.इंद्रप्रीत कौर, डॉ.रीना पंत और डॉ.सौरभ वर्मा रहे । निर्णायकों द्वारा प्रतियोगियों की कलात्मक और संगीतकमक क्षमताओं का मूल्यांकन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलपति प्रो. के.पी. सिंह जी के संरक्षण में हुआ। रिदम 2025 के आगाज ने कैंपस में ऊर्जा, उत्साह, और सांस्कृतिक रंगों का सुंदर माहौल बना दिया। कार्यक्रम के आयोजन में कुलसचिव श्री हरीश चंद,सांस्कृतिक समन्वयक डॉ.ज्योति पाण्डेय ,डॉ. इंद्रप्रीत कौर ,डॉ. सौरभ वर्मा ,डॉ.रीना पंत, डॉ.अतुल कटिहार, मीडिया सेल से डॉ.अमित कुमार सिंह, श्री तपन वर्मा तथा कल्चरल क्लब से पंखुड़ी कंचन , मेधावी वर्मा, दीपांशी , तनिष्का, पीयूष पाल, महक , मुमताज़, कविता, शिवम् गंगवार ,शौर्य,अपूर्वा भव्या शर्मा, शिवम पटेल, आलमीन नक़वी,आन्या शुक्ला, कृशांगी, ऋषभ आदि का सहयोग रहा।

एक्सप्रेस-वे से जोड़ने को बरेली-मथुरा हाईवे के लिए भूमि अर्जन कार्य 50 प्रतिशत पूरा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। गंगा एक्सप्रेस-वे से बरेली को जोड़ने के लिए बरेली-मथुरा हाईवे के अंतर्गत बरेली सीमा में फोरलेन हाईवे निर्माण करने की कवायद तेज हो गयी है। बदायूं की सीमा से लेकर चौबारी तक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-530बी फोरलेन निर्माण के लिए 21 गांवों के हजारों किसानों की भूमि अर्जन करने की कार्रवाई युद्ध स्तर पर चल रही है। करीब 35.2759 हेक्टेयर भूमि में से 50 प्रतिशत भूमि अर्जन करने के लिए किसानों के खाते में रकम भेजी जा चुकी है। विशेष भूमि अध्याप्ति कार्यालय किसानों को अर्जन भूमि का मुआवजा दिलाने के लिए तेजी से फाइलें पास करा रहा है। विशेष भूमि अध्याप्ति कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि धारा थ्री-डी की कार्रवाई के बाद फोरलेन हाईवे के लिए 21 गांवों की भूमि अर्जन की जा रही है। उन्होंने बताया कि कैमुआ की निजी भूमि 0.0540 हेक्टेयर, अखा मुस्तकिल की 0.1689 हेक्टेयर निजी व 0.0190 हेक्टेयर सरकारी भूमि, नितोई की 0.2106 हेक्टेयर भूमि, हिम्मतपुर ताहरपुर की 2.7244 हेक्टेयर, खेड़ा की 1.8979 हेक्टेयर निजी व 0.0304 हेक्टेयर सरकारी भूमि, भमौरा की 5.8891 हेक्टेयर निजी व 0.4140 हेक्टेयर सरकारी भूमि, नकटपुर की 1.3706 हेक्टेयर निजी व 0.2192 हेक्टेयर सरकारी भूमि, सरदार नगर की 0.5238 हेक्टेयर निजी व 0.0593 हेक्टेयर सरकारी भूमि, अंगूरी की 0.6636 हेक्टेयर निजी व 2.4999 हेक्टेयर सरकारी भूमि अर्जन की जा रही है। देवीपुर की 5.3178 हेक्टेयर निजी व 0.2374 हेक्टेयर सरकारी भूमि, आलमपुर जाफराबाद की 0.3397 हेक्टेयर निजी व 0.1361 हेक्टेयर सरकारी भूमि, चकरपुर की 4.8331 हेक्टेयर निजी व 0.2039 हेक्टेयर सरकारी भूमि, देवचरा की 4.0589 हेक्टेयर निजी व 0.1637 हेक्टेयर सरकारी भूमि, बाहनपुर की 0.0373 हेक्टेयर निजी व 0.1227 हेक्टेयर सरकारी भूमि, सिरोही की 0.2682 हेक्टेयर निजी व 0.0080 हेक्टेयर सरकारी भूमि, चाढ़पुर की 0.4864 हेक्टेयर निजी व 0.0266 हेक्टेयर सरकारी भूमि, मकरंदपुर धाराजीत की 0.2457 हेक्टेयर निजी व 0.0407 हेक्टेयर सरकारी भूमि, सैदपुर कनी की 0.5788 हेक्टेयर निजी व 0.1555 हेक्टेयर सरकारी भूमि, चौबारी मुस्तकिल की 0.6267 हेक्टेयर निजी व 0.1714 हेक्टेयर सरकारी भूमि, यूसुफपुर की 0.0020 हेक्टेयर सरकारी भूमि, भगवानपुर ठाकुरान गांव की 0.2097 हेक्टेयर सरकारी भूमि अर्जन की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि कुल 35.2759 हेक्टेयर भूमि अर्जन होगी, इसमें 30.4115 हेक्टेयर निजी भूमि और 4.722 हेक्टेयर सरकारी भूमि शामिल है।

बरेली से बदायूं बाईपास तक हाईवे निर्माण के लिए 650 करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं। बदायूं-बरेली पैकेज फोर में शामिल है। भमोरा से देवचरा के बीच संयुक्त बाईपास का भी निर्माण होगा। करीब 38 किलोमीटर सड़क फोरलेन होगी। बिनावर के पास बरेली हाईवे को गंगा एक्स्प्रेस-वे से जोड़ने की भी तैयारी है। हाल ही में मंडलायुक्त भूपेंद्र एस चौधरी ने बरेली को बेहतर कनेक्टिविटी देने के लिए बरेली-मथुरा हाईवे का चौड़ीकरण जल्द पूरा कराने के लिए एनएचएआई के साथ बैठक की थी। बरेली की सड़क गंगा एक्सप्रेस-वे की तरह बनवाने की बात कही थी। बरेली को बेहतर कनेक्टिविटी देने के लिए और क्या विकल्प हो सकते हैं, इसको लेकर एनएचएआई संग मंथन किया था।

मैक्स हॉस्पिटल वैशाली ने न्यूरोसर्जरी और स्पाइन सर्जरी ओपीडी सेवाओं की शुरुआत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली ।मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली ने आजसोमवार को श्री वेदांत हॉस्पिटल, बरेली, में अपनी न्यूरोसर्जरी और स्पाइन सर्जरी ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की। इस अवसर पर मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के न्यूरोसर्जरी एवं एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी विभाग के सीनियर डायरेक्टर और हेड डॉ. गौरव बंसल, मौजूद रहे। डॉ. गौरव बंसल, हर महीने की पहले बुधवार को दोपहर 12ः00 बजे से 2ः00 बजे तक श्री वेदांत हॉस्पिटल, बरेली, में प्राथमिक परामर्श और फॉलो-अप के लिए उपलब्ध रहेंगे। ओपीडी उद्घाटन के दौरान, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली, के न्यूरोसर्जरी एवं एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी विभाग के सीनियर डायरेक्टर और हेड - डॉ. गौरव बंसल, ने कहा, हमारा लक्ष्य मिनिमली इनवेसिव और

प्रिसिशन-गाइडेड सर्जिकल समाधान प्रदान करना है, जो न केवल मरीज की सुरक्षा बढ़ाते हैं बल्कि रिकवरी को भी तेज़ करते हैं। इस पहल के माध्यम से हम विश्वस्तरीय न्यूरोसर्जिकल विशेषज्ञता को समुदाय के करीब लाने और मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने की उम्मीद रखते हैं। इन विशेष ह्क्ष्छ सेवाओं की शुरुआत से हम न्यूरोलॉजिकल और स्पाइनल डिसऑर्डर्स के समय पर निदान और विशेषज्ञ प्रबंधन को सुनिश्चित कर रहे हैं। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली, की विशेषज्ञ टीम अत्याधुनिक न्यूरो और स्पाइन सर्जरी में माहिर है, जिसमें न्यूरो नेविगेशन, अवेक ब्रेन और इमेज-गाइडेड स्पाइन तकनीकें शामिल हैं। टीम बिना टांके वाले स्पाइन उपचार भी करती है, जिससे रिकवरी तेज़ होती है। इसके साथ ही, वे मस्तिष्क और स्पाइन ट्यूमर, सिर की चोट और ट्रॉमा मामलों का प्रिसिशन-ड्रिवन उपचार सुनिश्चित करते हैं, जिससे मरीज को बेहतर परिणाम मिलते हैं। इन ओपीडी सेवाओं की शुरुआत के साथ, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली, मरीजों के घर के करीब अत्याधुनिक न्यूरोसर्जिकल देखभाल प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है। यह पहल विशेषज्ञता और समुदाय तक पहुंच के बीच की खाई को पाटने के लिए तैयार की गई है, जिससे मरीज समय पर परामर्श, सटीक निदान और सुरक्षित, प्रभावी उपचार विकल्प प्राप्त कर सकें।

तीस हजार रुपये के जूते दो हजार में बेचने वाले दुकानदार की खुली पोल,पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। संजय नगर में निहाल स्पोर्ट्स की दुकान पर बारादरी थाना पुलिस ने दबिश देकर ब्रांडेड कंपनी के लोगो लगे नकली जूतों का जखीरा बरामद किया। यहां से पुलिस ने संजय नगर निवासी मोहम्मद निहाल को गिरफ्तार कर लिया। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बारादरी थाने में आरोपी से पूछताछ की। थाना प्रभारी के मुताबिक निहाल ने बताया कि वह एनबी कंपनी (न्यू बेलेंस कंपनी) के असली जूते बताकर नकली जूते बेच रहा था। नकली जूतों पर एनबी का लोगो लगा देता था। इस कंपनी के असली जूते पांच हजार से तीस हजार रुपये तक कीमत के हैं, जबकि वह नकली जूतों को 1800 से 2500 रुपये तक बेच देता था। ग्राहकों को बता देता था कि जीएसटी चोरी करके यह जूते सीधे कंपनी से मंगवा लिए हैं। अक्सर जूतों में समस्या आ जाती थी तो लोग इसे कंपनी का उत्पाद मानकर कंपनी के हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत करते थे। इस तरह की शिकायतें बढ़ने पर कंपनी के अधिकारी अंकित सिंह ने बरेली आकर जांच पड़ताल की तो हकीकत खुल गई। अंकित सिंह की ओर से निहाल के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने निहाल का चालान कर दिया।

बरात में हर्ष फायरिंग में गोली लगने से युवक की मौत; मौके से भागे आरोपी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सिरौली थाना क्षेत्र के गांव शिवपुरी में रविवार को आई बरात में हुई हर्ष फायरिंग में गोली लगने से युवक घायल हो गया। इससे बरात में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए बरेली भेज दिया, जहां देर रात उसकी मौत हो गई। युवक की मौत से शादी की खुशियां काफूर हो गईं। पुलिस के आने से पहले ही फायरिंग करने का आरोपी भाग गया। सूचना पर आई पुलिस ने जांच-पड़ताल की। आरोपी को पकड़ने के लिए सीसी कैमरे भी खंगाले। लेकिन, वह पकड़ में नहीं आया। पुलिस के मुताबिक, गांव शिवपुरी में अबरार उर्फ मंगली की लड़की की बरात बरेली के थाना सुभाषनगर की मणिनाथ पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव सिठौरा से आई थी। युवक के माथे में लगी गोली जैसे ही बरात रात नौ बजे गांव के मुख्य अड्डे पर स्थित एक बरातघर में बस से उतरना शुरू हुई। कुछ लोगों ने ताबड़तोड़ हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। इसमें एक गोली सड़क पार खड़े बराती रिजवान के माथे में लग गई, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया। घटना के बाद फायरिंग करने वाले मौके से भाग गए। घटना की सूचना पुलिस को मिली, तब इंस्पेक्टर विनोद कुमार पुलिस के साथ मौके पर पहुंच गए। जांच-पड़ताल कर घायल को उपचार के लिए बरेली भेजा, जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने गमगीन माहौल में बरात चढ़वा दी। इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि मामला हर्ष फायरिंग से जुड़ा हुआ है। फायरिंग करने वाले आरोपियों का सुराग पुलिस निकालने में जुटी हुई है।

नागरिक सुरक्षा कोर स्थापना दिवस के अवसर पर वृहद रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । कलेक्ट्रेट स्थित नागरिक सुरक्षा कोर परिसर में नागरिक सुरक्षा कोर स्थापना दिवस के अवसर पर वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 174 वार्डेन्स व स्वयं सेवकों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने रक्त देने वाले वार्डेंस व स्वयं सेवकों की प्रशंसा करते हुए उनका हौसला बढ़ाया। शिविर में सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने पहुंचकर प्रत्येक वार्डेन व स्वयं सेवकों का उत्साह बर्धन किया और कहा इससे बड़ा कोई दान नहीं है। उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा राकेश मिश्रा, डिप्टी चीफ वार्डन रंजीत वशिष्ठ, सहायक उपनियंत्रक गण पंकज कुदेशिया तथा प्रमोद डागर, सिविल लाइन्स डिवीजन के डिवीजनल वार्डन दिनेश, डिविजनल वार्डन बारादरी संजय पाठक, डिवीजनल वार्डन आ0 शिवलेश चन्द्र पाण्डेय सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

ढाई माह से लापता युवक का गन्ने के खेत मिला कंकाल क्षेत्र में हड़कंप मच गया

क्यूँ न लिखूँ सच / पूरनपुर-पीलीभीत।ढाई माह से लापता युवक की संदिग्ध हालात में मिली हड्डियां गन्ने के खेत से बरामद हुए कपड़े गांव में सनसनी फ़ैल गई। परिजनों ने जताई हत्या की आशंका सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंच गई।पुलिस जांच करने में जुट गई।थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गांव नवदिया दुर्जनपुर से करीब ढाई माह पहले लापता हुए युवक रघुनंदन पुत्र नारायन उम्र लगभग 25 वर्ष के कपड़े और हड्डियां गांव के पास गन्ने के खेत से बरामद होने पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। परिजनों ने पहले ही उसकी हत्या की आशंका जताते हुए थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।खेत से हड्डियां मिलने के बाद मामले ने गंभीर मोड़ ले लिया है। बताया जाता है कि ग्रामीणों ने गन्ने के खेत में पड़े कुछ कपड़ों को देखा लापता युवक के बताए जा रहे हैं। कपड़ों की पहचान होते ही परिजन में कोहराम मच गया और मौके पर पहुंचे गए पुलिस को सूचना दी। कपड़ों के आसपास तलाश करने पर उसी खेत से कुछ दूरी पर हड्डियां भी बरामद हुईं। सूचना मिलते ही सेहरामऊ पुलिस मौके पर पहुंची और सीओ प्रतीक दहिया ने भी घटनास्थल का पहुंच गए जांच-पड़ताल भी की है।पुलिस ने हड्डियों व अन्य साक्ष्यों को कब्जे में लेकर जांच के लिए भेज दिया है। मामला संदिग्ध लग रहा है।जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। बयान क्षेत्राधिकारी प्रतीक दहिया ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम और डीएनए जांच के लिए अवशेष भेजे गए हैं।

महिला को फोन से जान से मारने दी धमकी रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / पूरनपुर-पीलीभीत। महिला को फोन पर घर से उठा ले जाने और जान से मारने की धमकी देने वाले के खिलाफ कोतवाली ने मुकदमा दर्ज किया।थाना पूरनपुर क्षेत्र के गांव रुरिया ता. गजरौला की रहने वाली स्वाति सिंह पत्नी पूरन सिंह ने पुलिस अधीक्षक को तहरीर देकर बताया 21 अक्टूबर 2025 को मेरे मोबाइल फोन पर थाना घुंघचिहाई के गांव बिलंदपुर अशोक के रहने बाले भानू प्रताप सिंह पुत्र रनवीर सिंह ने गंदी-गंदी दी और गाली का विरोध करने पर महिला को घर से उठाने और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता महिला स्वाति सिंह की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने भानू प्रताप सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

नशे महिलाओं के साथ किया डांस विरोध करने पर मारपीट

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत। कार्यक्रम में डांस कर रही महिलाओं के साथ नशे में तीन लोगों ने डांस किया परिवार द्वारा विरोध करने पर मारपीट कर घायल कर दिया पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। नगर के मोहल्ला दुबे निवासी शिवम् पुत्र सर्वेश कुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि उसकी बहन की शादी थी कार्यक्रम में महिलाएं डांस कर रही थीं तभी पड़ोस के ही सौरभ, भगवान दास, राजन ने शराब के नशे में महिलाओं के साथ डांस किया विरोध करने पर उसके भाई, मां, बहन पर हमला कर दिया जिससे सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

महिला से मारपीट व जान से मारने की धमकी

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत। पति की गैरमौजूदगी में जेठ व देवर ने महिला से गाली गलौज करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव परेवा निवासी राम बेटी पत्नी मुकेश कश्यप ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि उसके घर में उसके जेठ सर्वेश, देवर बब्लू, कमलेश, रामू पुत्रगण भीमसेन ने घुसकर गाली गलौज करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी पीड़ित महिला ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की है पुलिस ने तहरीर के आधार पर सर्वेश, बब्लू, कमलेश, रामू पुत्रगण भीमसेन निवासी ग्राम परेवा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस के अवसर पर रक्तदान पर विशेष कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / नागरिक सुरक्षा कोर, सुभाषनगर पोस्ट की मासिक बैठक का आयोजन सैक्टर वार्डेन रश्मि उपाध्याय जी के आवास स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बराबर वाली गली में तपेश्वर नाथ मंदिर रोड सुभाष बरेली में सैक्टर वार्डेन गुंजन सिंह से सौजन्य से आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि डिप्टी चीफ़ वार्डेन श्री रंजीत वशिष्ठ जी अति विशिष्ठ अतिथि डिवीजनल वार्डेन अनिल कुमार शर्मा व आई डिवीजनल वार्डेन दिनेश यादव डिप्टी की अध्यक्षता पोस्ट वार्डेन मनोज कुमार द्वारा की सीओ श्रीमती स्वदेश कुमारी जी रहीं बैठक नगर पोस्ट की बैठक में आए हमारे आदरणीय गई ।बैठक की कार्यवाही सर्वप्रथम सुभाष डिविजनल वार्डेन श्री दिनेश यादव जी द्वारा माला डिप्टी चीफ़ वार्डेन श्री रंजीत वशिष्ठ जी को कर स्वागत किया गया। इसके पश्चात पहनाकर और सभी वार्डेन द्वारा तालियां बजा सभी वार्डेन का परिचय जाना। इसके पश्चात डिप्टी चीफ़ वार्डेन श्री रंजीत वशिष्ठ जी ने जी से, सभी वार्डेनों द्वारा फायर फाइटर, भर्ती चीफ़ वार्डेन सर द्वारा पोस्ट वार्डेन मनोज कुमार और लोगों को अपने साथ रक्त दान हेतु शिविर में और कल होने वाले रक्त दान में वार्डेन कितने वाहक विवेक सक्सेना द्वारा बताया गया कि जिस लाएंगे की जानकारी प्राप्त की। इसी बीच संदेश के लिए बोलते है तो वो कहता है कि इसमें नए व्यक्ति को सिविल डिफेंस में ज्वाइन करने सर द्वारा बताया गया कि लोग कहेंगे, क्योंकि मिलता क्या है , इस पर डिप्टी चीफ़ वार्डेन है, जिसके अंदर राष्ट्रहित की भावना है सिर्फ उनका काम है कहना क्योंकि राष्ट्रहित सर्वोपरि इसके पश्चात डिविजनल वार्डेन श्री दिनेश यादव वही व्यक्ति सिविल डिफेंस से जुड़ सकता है। वार्डेन रक्त दान हेतु शिविर में उपस्थित हो, और जी द्वारा सभी वार्डेन से कहा गया कि सभी दान हेतु प्रेरित करें और शिविर में लाएं। डिप्टी अपने साथ अधिक से अधिक लोगों को रक्त

डिविजनल वार्डेन श्री अनिल शर्मा और आई. सी. ओ. स्वदेश कुमारी जी ने डिविजनल वार्डेन महोदय की इस बात का समर्थन किया और कहा कि सभी वार्डेन को अधिक से अधिक को रक्त दान करना है और अन्य लोगों से भी रक्त दान करवाना है। बैठक के अंत में पोस्ट वार्डेन मनोज कुमार, सैक्टर वार्डेन रानी सिंह , एडवोकेट नीरज कुमार, डॉ. मिलिंद बजाज, अदिति सिंह, ममता पाल, रश्मि उपाध्याय, गीतांजलि कश्यप, बिंदु सक्सैना, मयूरेश अग्रवाल, सुनील कुमार संदेश वाहक विवेक सक्सैना ने सैक्टर वार्डेन गुंजन सिंह जी को सूक्ष्म जलपान हेतु सभी को धन्यवाद दिया ।

आगरा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने की जनप्रतिनिधियों संग बैठक, SIR की समीक्षा कर विधायकों को दिए ये निर्देश

सीएम योगी सोमवार शाम को आगरा पहुंचे। खेरिया हवाई अड्डे पर जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने मंडल के सभी जिलों के भाजपा के जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।मंडलीय समीक्षा और बैठक के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ आगरा पहुंचे। खेरिया हवाई अड्डे पर अध्यक्ष व अन्य पार्टी पदाधिकारियों ने आयुक्त सभागार में सीएम योगी पर आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और पार्टी पदाधिकारियों संग बैठक की। बैठक के दौरान सीएम दौरान विशेष की सुस्त रफ्तार की समीक्षा कर मतदाता कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया।बैठक में आगरा उत्तर और मथुरा समेत उन सभी ध्यान देने के लिए कहा है, जिन पर हैं। ये वो मतदाता हैं, जिनको अभी नहीं किया जा सका है। उन्होंने विधायकों

भाजपा जनप्रतिनिधियों के साथ सोमवार शाम करीब चार बजे भाजपा के सांसद, विधायक, सीएम योगी का स्वागत किया। एसआईआर व अन्य मामलों मैनपुरी के जनप्रतिनिधियों व करीब दो घंटे चलने वाली इस गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) बनाने के लिए भाजपा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा क्षेत्रों पर अधिक एक लाख से मतदाता मिसिंग तक एसआईआर फॉर्म वितरित को व्यक्तिगत रूप से अपने क्षेत्र

के ऐसे मतदाता से संपर्क कर जोड़ना सुनिश्चित करने के लिए कहा है, जिससे विधानसभा चुनावों में जीत सुनिश्चित की जा सके।

भगवान बांके बिहारी की मूर्ति से विवाह करने वाली पिंकी शर्मा की कहानी, कहा- मेरा जीवन बदल गया

बदायूं में भगवान बांके बिहारी की मूर्ति से विवाह करने वाली पिंकी शर्मा बेहद खुश हैं। उन्होंने बताया कि उनका पूरा जीवन बदल गया है। अब बिहारी जी जहां रखेंगे, वहीं रहूंगी। वृंदावन भी जाऊंगी। बदायूं के इस्लामनगर ब्लॉक क्षेत्र के गांव ब्योर कासिमाबाद निवासी पिंकी शर्मा ने बांके बिहारी की मूर्ति से विवाह रचाया। शनिवार को धूमधाम से बरात निकाली गई। घरवालों ने हिंदू रीति रिवाज के अनुसार पिंकी का विवाह बांके बिहारी की मूर्ति से कराया। दुल्हन बनी पिंकी ने कहा कि बांके बिहारी से विवाह करने के बाद उनका जीवन बदल गया है। उन्होंने वृंदावन में रहने की इच्छा जताई है। पिंकी शर्मा ने पोस्ट ग्रेजुएट किया है। उनके पिता सुरेश चंद्र शर्मा किसान हैं। पिंकी ने बताया कि वह भगवान श्रीकृष्ण की भक्त हैं। वह अक्सर अपने परिवार के साथ वृंदावन जाती रहती हैं। बांकेबिहारी के दर्शन वृंदावन की परिक्रमा करती हैं। वहीं से उनके विवाह की कहानी शुरू हुई। बांके बिहारी मंदिर में प्रसाद के साथ गोद में आ गिरी थी अंगूठी पिता सुरेश शर्मा ने बताया कि प्रसाद के साथ सोने की अंगूठी आ गिरी बांके बिहारी जी के मंदिर में संकेत माना। बताया जा रहा है कि पिंकी थी, जिसे उन्होंने ईश्वरीय बांके बिहारी जी से आशीर्वाद मिला को सपने में भी विवाह का उनसे शादी रचाने का निर्णय लिया। था। इसके बाद पिंकी ने साथ दिया।बांके बिहारी बने दूल्हा, इसमें उनके परिवार ने पूरा

धूमधाम से निकली बरात – शनिवार को शाम ढलते ही गांव के ही इंद्रेश शर्मा के घर से कार पर विराजित बांके बिहारी जी की मूर्ति को मुकुट और फूलों से सजाकर बरात निकाली गई। बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन के बीच बरात जब सड़कों से गुजरी तो फूलों की बारिश की गई। गोद में मूर्ति लेकर लिए फेरे - सुरेश शर्मा के घर पहुंचकर बरातियों ने पकवानों का स्वाद लिया। इसके बाद मंच पर पिंकी शर्मा ने बांके बिहारी जी की मूर्ति को जयमाला पहनाई। पंडित जी ने वेद मंत्रों के बीच पाणिग्रहण संस्कार संपन्न कराया। पिंकी ने गोद में बांके बिहारी की मूर्ति लेकर सात फेरे लिए। विवाह संस्कार पूर्ण होने के बाद परंपरा अनुसार दुल्हन बनी पिंकी की विदाई भी की गई। इसके बाद मूर्ति को वापस इंद्रेश शर्मा के घर के लिए रवाना किया गया। बांकेबिहारी से विवाह करने के बाद पिंकी शर्मा बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि उनका जीवन बदल गया है

अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह का किया जाएगा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र ने अवगत कराया है कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी दिनांक 08 दिसम्बर से 15 दिसम्बर 2025 के मध्य अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह का आयोजन जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र के तत्वाधान में किया जाएगा। हस्तशिल्प सप्ताह के दौरान जनपद के विभिन्न शिल्पों में कार्यरत शिल्पी एवं ख्याति प्राप्त अनुभव शिल्पकारों की कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान गोष्ठी एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी आयोजित की जायेगी, जिसमें प्रतिभागियों को विभाग में संचालित योजनाओं की पूर्ण जानकारी दिये जाने हेतु सहायक प्रबंधक संजय कुमार को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

2.62 लाख के नकली नोटों के साथ शातिर गिरफ्तार,बरामद करेंसी में 200 के 684 व 100 रुपये के 1252 नोट मिले

2.62 लाख के नकली नोटों के साथ शातिर गिरफ्तार,बरामद करेंसी में 200 के 684 व 100 रुपये के 1252 नोट मिलेअपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह बताया कि कोतवाली कुलपहाड़ प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह को कस्बे के बाजार में एक व्यक्ति के नकली नोट चलाने के संबंध में सूचना मिली थी। पुलिस ने बेलाताल रेलवे स्टेशन के पास चेकिंग के दौरान देवेंद्र अहिरवार निवासी आरी जनपद महोबा को पकड़ा। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 2.62 लाख रुपये के नकली नोट मिले।100 व 200 रुपये के यह नोट आरोपी देवेंद्र बाजार में चलाने के लिए लेकर आया था। आरोपी ने बताया कि गाजीपुर निवासी अंकुर कुमार ने उसे नकली नोट बाजार में चलाने के लिए दिए थे। पुलिस ने देवेंद्र को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया। आरोपी अंकुर की तलाश की जा रही है। अपर एसपी ने बताया कि आरोपी अंकुर की तलाश के लिए सीओ के नेतृत्व में एसओजी व थाना कुलपहाड़ पुलिस की दो अलग-अलग टीमें लगाई गई है। जल्द ही आरोपी अंकुर को गिरफ्तार करके इस कारोबार की तह तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। जेल में अंकुर से हुई थी दोस्ती, फिर शुरू किया काला कारोबार- नकली करेंसी के काले कारोबार का मास्टरमाइंड अंकुर कुमार निवासी ग्राम हाटा थाना मोहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर फरार चल रहा है। अंकुर 2024 में भी नकली नोट के मामले में जेल जा चुका है। उसके पास से 15 लाख के नकली नोट बरामद किए गए थे। पूछताछ में अंकुर ने पुलिस को बताया था कि यूट्यूब से उसने नकली नोट बनाने का तरीका सीखा था और फिर कंप्यूटर, प्रिंटर, मोबाइल के माध्यम से खुद ही नकली नोट प्रिंट करने लगा।

संक्षिप्त समाचार

बीसलपुर महोत्सव में ए.डी. डांस अकैडमी का परचम, बच्चों ने जीता पहला स्थान

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत बीसलपुर। सूरजभान डिग्री कॉलेज में 6 एवं 7 दिसम्बर को आयोजित बीसलपुर महोत्सव में इस वर्ष भी बिसलपुर की ए.डी. डांस अकैडमी के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। महोत्सव में विभिन्न शहरों से आए प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सोलो डांस प्रतियोगिता में सान्या गंगवार ने प्रथम, कुशाग्र ने द्वितीय तथा पीलीभीत के आकाश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं ग्रुप डांस में ए.डी. डांस अकैडमी, बिसलपुर ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि द्वितीय स्थान पीलीभीत की ए.बी.एस. डांस अकैडमी को मिला। प्रतियोगिता में लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया। कोरियोग्राफर सुधीर ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सफलता के लिए निरंतर अभ्यास और लगन आवश्यक है। कार्यक्रम के आयोजक सत्य प्रकाश उर्फ़ बिट्टू ने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ऐसे आयोजन प्रतिवर्ष कराए जाते रहेंगे। यह बीसलपुर महोत्सव का 12वाँ संस्करण था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रामसरन बर्मा, बरखेड़ा विधायक प्रवक्ता नंद तथा नितिन पाठक उपस्थित रहे। महोत्सव का जजमेंट रियलिटी शो डांस प्लस के सेलेब्रिटी अविरल सैनी द्वारा किया गया।

बीसलपुर महोत्सव में ए.डी. डांस अकैडमी का परचम, बच्चों ने जीता पहला स्थान

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / बीसलपुर। सूरजभान डिग्री कॉलेज में 6 एवं 7 दिसम्बर को आयोजित बीसलपुर महोत्सव में इस वर्ष भी बिसलपुर की ए.डी. डांस अकैडमी के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। महोत्सव में विभिन्न शहरों से आए प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सोलो डांस प्रतियोगिता में सान्या गंगवार ने प्रथम, कुशाग्र ने द्वितीय तथा पीलीभीत के आकाश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं ग्रुप डांस में ए.डी. डांस अकैडमी, बिसलपुर ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि द्वितीय स्थान पीलीभीत की ए.बी.एस. डांस अकैडमी को मिला। प्रतियोगिता में लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया। कोरियोग्राफर सुधीर ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सफलता के लिए निरंतर अभ्यास और लगन आवश्यक है। कार्यक्रम के आयोजक सत्य प्रकाश उर्फ़ बिट्टू ने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ऐसे आयोजन प्रतिवर्ष कराए जाते रहेंगे। यह बीसलपुर महोत्सव का 12वाँ संस्करण था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रामसरन बर्मा, बरखेड़ा विधायक प्रवक्ता नंद तथा नितिन पाठक उपस्थित रहे। महोत्सव का जजमेंट रियलिटी शो डांस प्लस के सेलेब्रिटी अविरल सैनी द्वारा किया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में छप्परपोश घर में लगी आग हजारो का सामना जलकर हुए खाक

क्यूँ न लिखूँ सच / पूरनपुर-पीलीभीत। संदिग्ध परिस्थितियों में छप्परपोश घर में लगी आग हजारों का सामान जलकर राख पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने पर विवश हैं। पूरनपुर तहसील क्षेत्र के गांव महद खास में रविवार रात को अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। गांव निवासी ख्याली राम ने सोमवार दोपहर बताया कि छप्परपोश घर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और घर में रखा खाने पीने का सभी सामान जलकर राख हो गया। परिवार के लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई आग की लपटें उठती देख गांव के लोग मौके पर दौड़ पड़े। ग्रामीणों मदद को आगे बढ़े पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक घर में रखा अनाज,कपड़े सहित सारा सामन जलकर नष्ट हो गया। पीड़ित ख्याली राम ने घटना की सूचना हल्का लेखपाल को दी।

राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर अवैध कट स्थाई रूप से बंद करने के निर्देश, एक सप्ताह में गड्ढा मुक्त करने का आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में एनएचएआई साथ बैठक कर 27 पर बने पर कड़ी नाराज़गी स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अवैध कटों को स्थाई रूप से बंद ताकि सड़क संभावनाओं को रोका के दौरान एनएचएआई अवगत कराया कि

अधिकारियों के राष्ट्रीय राजमार्ग-अनाधिकृत कटों जताई। उन्होंने राजमार्ग पर बने तत्काल प्रभाव से कराया जाए दुर्घटनाओं की जा सके। बैठक अधिकारियों ने फिलहाल सभी अवैध कट अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए हैं तथा राजमार्ग पर गड्ढा मुक्त अभियान प्रगति पर है। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर राष्ट्रीय राजमार्ग-27 को पूर्णत: गड्ढा मुक्त कर दिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी नेहा ब्याडवाल सहित एनएचएआई के अधिकारी मौजूद रहे।

सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा का प्रयास सफल

वार्ड के विकास में गंगा बहाने का कार्य किया जायेगा महेंद कुशवाहा

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन) नगर पालिका परिषद कोंच के तेज तर्रार सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा अपने वार्ड के विकास में गंगा बहाने का कार्य कर रहे है जनता की बेहद मांग ओर जरूरत पर उन्होंने अपने वार्ड एक गांधी नगर कोंच में शकर जी के मंदिर से लेकर लालू झा के मकान तक सीसी रोड निर्माण कराए जाने को लेकर

काम शुरू करवा दिया है इस निर्माण कार्य को लेकर सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि उनका प्रयास है कि वार्ड में कोई जगह विकास के मामले में अछूती न रहे और उनका प्रयास है को वार्ड को एक अच्छा सुंदर और आदर्श वार्ड बनावे इसके लिये वह दिन रात जनता की सेवा में लगे रहते है उन्होंने कहा कि वार्ड में वह बिना किसी भेद भाव के कार्य करवाते है और जनता के सेवक है न ही कोई नेता है सेवक बनकर जनता की सेवा करते है और करते रहेंगे इस अवसर पर वार्ड के कई लोग मौजूद रहे

बिजली विभाग ने ग्राम बरोदा खुर्द में कैम्प लगाया, कैम्प में बीस ओटीएस में उपभोक्ताओं ने रजिस्ट्रेशन कराये

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) ऊर्जा विभाग की ओटीएस योजना चल रही है इसी योजना का लाभ दिलाने के लिये बिजली विभाग के एसडीओ रविन्द्र कुमार निर्देशन में जूनियर इंजिनियर अमन पांडेय की देखरेख आज ग्राम बरोदा खुर्द में विभाग द्वारा ओटीएस योजना चल रही है जिसमें ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ताओं को लाभ मिल सके

इसके लिये कैंप लगाया गया इस कैंप में जे ई अमन पांडेय के द्वारा बीस उपभोक्ताओं ने ओटीएस योजना का लाभ लेने के लिये रजिस्ट्रेशन कराया है साथ ही गांव में बकाया बिलों से एक लाख रुपया राजस्व के रूप में जमा कराया है इस संबंध में एसडीओ रविन्द्र कुमार और जे ई अमन पांडेय ने बताया है कि यह योजना उपभोक्ता के हित में चल रही है और इस योजना में उपभोक्ता इस अच्छे सुनहरे अवसर का लाभ ले समय से आकर अपना अपना रजिस्ट्रेशन कराए और योजना का लाभ ले इस अवसर पर गांव के कई लोग मौजूद रहे

जिले में उर्वरक वितरण हेतु ई-विकास प्रणाली पर निजी उर्वरक विक्रेताओं की बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी, ब्यूरो। किसानों को सुगम, पारदर्शी और समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में जिले के निजी उर्वरक विक्रेताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ई-विकास प्रणाली एवं ई-टोकन आधारित उर्वरक वितरण व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में उपसंचालक कृषि पान सिंह करौरिया सहित कृषि विभाग के अन्य अधिकारी तथा जिले के सभी निजी उर्वरक विक्रेता उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री चौधरी ने बताया कि जिले में उर्वरक वितरण के लिए ई-टोकन प्रणाली का पहला चरण पूरा कर लिया गया है। इस व्यवस्था के तहत किसान etoken.mpkrishi.org पोर्टल पर अपने आधार तथा मोबाइल नंबर से पंजीयन कर सकेंगे। पंजीयन प्रक्रिया में किसान अपने नजदीकी उर्वरक विक्रेता का चयन करेगा, जिसके बाद उसे ई-टोकन जारी होगा। किसान उसी टोकन के आधार पर संबंधित विक्रेता से तीन दिवस के भीतर अपना उर्वरक प्राप्त कर सकेगा। निर्धारित समय सीमा में उठाव न करने पर टोकन स्वत: निरस्त हो जाएगा और पुन: पंजीयन कराना होगा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि अब जिले में उर्वरक वितरण पूर्णत: ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से ही किया जाएगा। यदि किसान बिना पंजीयन सीधे दुकान पर पहुंचे तो विक्रेता उन्हें पहले ई-टोकन के लिए पंजीयन कराने की अनिवार्यता से अवगत कराएं। उन्होंने बताया कि पंजीयन हेतु किसान का आधार नंबर एग्री-स्टैक पोर्टल पर पंजीकृत होना जरूरी है। साथ ही फार्मर आईडी पर रकबा एवं फसल की जानकारी अद्यतन होनी चाहिए। किसान चाहें तो अपना पंजीयन एमपी ऑनलाइन और सीएससी केंद्रों के माध्यम से भी करा सकते हैं। कलेक्टर चौधरी ने कहा कि इस वर्ष जिले में किसानों को गत वर्ष की तुलना में अधिक मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया गया है। ई-विकास प्रणाली से पारदर्शिता बढ़ेगी और अवैध भंडारण/कालाबाजारी पर भी प्रभावी नियंत्रण संभव होगा।

सामाजिक तरक्की के लिए बाल विवाह का उन्मूलन आवश्यक : शिवपुरी में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में लिया गया संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/शिवपुरी। बाल विवाह जैसी कुप्रथा केवल एक सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि किशोर-किशोरियों के भविष्य को अंधकार में धकेलने वाला अभिशाप है। इसी जागरूकता को मजबूत शिवपुरी में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित बाल ने कहा कि बाल विवाह के अंत से ही किशोरियों केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि जन सभी को मिलकर आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम में सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जिले संकल्प लिया। इस अवसर पर विकासखंड परामर्शदाता केशव शर्मा, पदमा शिवहरे, सीमा पचौरी, छात्राएं उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री की पहल = 2029 लक्ष्य- कार्यक्रम में बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र

करने के लिए पीजी कॉलेज तहत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम संरक्षण अधिकारी राघवेंद्र शर्मा के सपनों की शुरुआत होगी। यह आंदोलन है, जिसे समाप्ति तक जनअभियान परिषद के मुख्यमंत्री बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के को बाल विवाह मुक्त बनाने का समन्वयक शिशुपाल सिंह जादौन, रेखा समाधिया सहित कई छात्र- तक बाल विवाह मुक्त भारत का मोदी द्वारा 27 नवंबर 2024 को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की गई थी। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि सामुदायिक जन आंदोलन है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2029 तक पूरे देश को बाल विवाह मुक्त बनाना है। यह बाल विवाह के अंत का शंखनाद है, जिसे व्यापक जन जागरूकता और सामूहिक प्रयासों से सफल किया जाएगा। 8 मार्च तक चलेगा सघन 100 दिवसीय अभियान बाल संरक्षण अधिकारी राघवेंद्र शर्मा ने बताया कि 100 दिनों के इस विशेष अभियान में जिलेभर में विविध गतिविधियों का संचालन होगा। विभिन्न विभागों के समन्वय से अधिक से अधिक लोगों को बाल विवाह के दुष्प्रभावों से परिचित कराया जाएगा और उन्हें इस कुप्रथा के विरोध में सक्रिय रूप से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। अभियान के प्रमुख बिंदु बाल विवाह के दुष्प्रभावों की जानकारी देकर अभियान को जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा। स्कूलों, कॉलेजों एवं समुदायों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बाल विवाह मुक्त घोषित ग्राम एवं वार्डों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। सरकारी विभागों एवं समाज के सहयोग से बाल विवाह पर पूर्ण विराम लगाने की दिशा में सतत प्रयास जारी रहेंगे।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अपील

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ जनपद जालौन के सभी नागरिकों से विनम्र अपने घर एवं निवास कर रहे अधिक आयु सम्मानित आयुष्मान वय

अनुरोध है कि आसपास 70 वर्ष से के सभी वृद्धजन का वंदना कार्ड अवश्य बनवाने में सहयोग करें। इस योजना की केवल एक ही पात्रता है-आधार कार्ड में 70 वर्ष की आयु पूर्ण होना। किसी अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है। हम सभी का दायित्व है कि अपने बुजुर्गों को सम्मान देते हुए उनके लिए यह महत्वपूर्ण कार्ड बनवाने में स्वास्थ्य विभाग का पूरा सहयोग करें, ताकि वे समय पर आवश्यक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकें।

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत जागरूकता बैठक का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के दिशानिर्देश में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत सभी बाहरी सीमाचौकियों एवं वाहिनी परिसर के शिवाजी मैदान में एक जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान द्वितीय कमान अधिकारी ललेंद्र रत्नाकर द्वारा वाहिनी में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जवानों को व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वच्छ परिवेश और दैनिक दिनचर्या में स्वच्छता की आदतों को शामिल करने के महत्व के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। उन्होंने सभी कार्मिकों से स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए इसे जीवनशैली का अनिवार्य हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उप कमांडेंट सोनू कुमार, सहायक कमांडेंट अमित शर्मा, अधीनस्थ अधिकारी एवं अन्य जवान उपस्थित रहे। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत वाहिनी द्वारा आगे भी विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम, साफ-सफाई अभियान एवं जन सहभागिता से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

श्रावस्ती लखनऊ 10 नई बसों का संचालन शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। भिनगा - श्रावस्ती के मुख्यालय भिनगा से लखनऊ के लिए उत्तर प्रदेश परिवाहन निगम ने 10 नई बसों का संचालन शुरू कर दिया है। अभी तक भिनगा बस स्टैंड से लखनऊ व अन्य बड़े शहरों तक जाने के लिए बसों रोडबेज बसों की ब्यवस्था नही होने के कारण लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या से निजात पाने के लिए रोडवेज अधिकारियों वा प्रदेश सरकार से रोडवेज बस स्टैंड वा बस की संख्या बढ़ाने की मांग की थी जिसको संज्ञान में लेकर प्रदेश सरकार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश परिवाहन निगम के अधिकारियों ने दस नई बसों का संचालन शुरू किया है। सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक इन बसों का संचालन किया जाएगा। इसके लिए चालक-परिचालक को भी नियुक्त किया गया है। यदि अधिक मुनाफा मिला तो श्रावस्ती से बसों की संख्या और भी बढ़ाई जा सकेगी। एआरएम ज्ञानचंद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि अभी दस बसों का संचालन शुरू हुआ है। ये बसे बहराइच से भिनगा जाएगी और वहां से सीधे लखनऊ के लिए रवाना होगी आगे नई बसें मिलने पर उन्हें भी भेजी जाएंगी

गौवंश से टकराई बाइक, मदरसा शिक्षक की हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। थाना इकौना अंतर्गत नेशनल हाइवे 730 पर इकौना देहात स्थित मुर्गी फार्म के पास सड़क हादसे में इकौना नगर के निवासी हाफिज नसीर अहमद मदरसा शिक्षक की मौत हो गई। बहन के घर एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद बाइक से वापस घर लौटते समय उनकी बाइक अचानक छुट्टा मवेशियों से टकरा गई इस दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों ने उन्हें एम्बुलेंस की सहायता से घायल को सीएचसी इकौना पहुंचाया जहां मौजूद चिकित्सको ने हालत गंभीर देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया वहां पर भी गंभीर स्थिति देखते हुए उन्हें ट्रामा सेंटर लखनऊ सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया लखनऊ ट्रामा सेंटर ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। दरअसल इकौना नगर के मोहल्ला लाजपत नगर निवासी हाफिज नसीर अहमद (24 वर्ष) पुत्र मंजूर अहमद कैसरगंज स्थित अपनी बहन के घर एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे वह बाइक से वापस घर लौटते समय नेशनल हाइवे 730 पर इकौना देहात स्थित मुर्गी फार्म के पास पहुंचने पर उनकी बाइक सड़क पर मौजूद छुट्टा मवेशियों से टकरा गई जिसके कारण वह बाइक से सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस से घायल को सीएचसी इकौना पहुचाया गया हालत गम्भीर देख चिकित्सको ने उन्हें मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया। चिकित्सको ने वहां भी गंभीर स्थिति देखते हुए उन्हें ट्रामा सेंटर लखनऊ भेजने की सलाह दी गई। परिजन उन्हे लखनऊ ले जा रहे थे तभी रास्ते में नसीर अहमद की मौत हो गई।

राजकीय होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर में नि:शुल्क दवाएं वितरित

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसियशन के तहत रिजर्व पुलिस लाइन परिसर भिनगा में राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय सिरसिया की टीम द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉ. आधारानी प्रभारी चिकित्साधिकारी राजकीय होम्योपैथिक सिरसिया, कामस्सिट उपेन्द्र शक्कल व कल्लदीप सिंह सहायक के रूप में मौजूद रहे। शिविर में चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, नेत्र जीद, रक्तचाप शुगर एवं अन्य आवश्यक जाँचे की गई, और नि:शुल्क दवा वितरित की गई। चिकित्सक द्वारा उपस्थित लोगों को बीमारियों की रोकथाम, पोषण, स्वयाता एवं स्वास्थ्य सेवेची परामर्श प्रदान किया गया। शिविर के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने तथा नियमित जांच की महत्ता पर बल दिया में खान-पान का ध्यान रखते हुये शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव साझा किये गये। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूँजी है ऐसे शिविर न केवल लोगों के स्वस्थ एवं जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। उन्होंने चिकित्सा संस्थानों के आयोजकों के इस जनहितकारी प्रपास को सराहना की और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने का आहवान किया। वह स्वास्थ्य शिविर समाज में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने एवंजन-कल्याग की भावना को सशक्त करने की दिशा में एक सराहनीय कदम रहा। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी इकौना भरत पासवान, प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार सिंह उपस्थित रहे।

What are the effects of eating bread and omelets for breakfast every day? A doctor answers

Bread and omelets are one of the most popular breakfasts in India. They're quick to prepare, delicious, and a perfect filling option. But is eating them daily healthy? Let's ask Dr. Varun Bansal, Senior Consultant of Indraprastha Apollo Hospitals, for enjoy eating bread and omelets every breakfast every day can have adverse perspective, you should keep a few become a favorite choice for many you ever wondered if this daily could it be harmful? The long- cholesterol, heart health, and daily According to Dr. Varun Bansal, Vascular Surgery at Indraprastha is challenging old myths and showing In this article, let's explore how health. Eggs and Cholesterol - For a increases cholesterol, but according especially when consumed in health—especially for those who contains approximately 186 mg of the egg yolk. Despite this, for most significant impact as long as they are real problem? Some of the following

Cardiothoracic and Vascular Surgery at his answer to this question. Many people day for breakfast. Eating this type of effects on the body. From a health things in mind. Bread and omelets have people during the morning rush, but have breakfast is truly good for your health or standing debate surrounding eggs— diet—has further complicated this question. Senior Consultant of Cardiothoracic and Apollo Hospitals, interestingly, new research that eggs aren't as "bad" as once believed. eating bread and omelets daily affects your long time, it was believed that eating eggs to the doctor, research now shows that eggs, moderate quantities, are safe for heart already have high cholesterol. A whole egg cholesterol, and this cholesterol is found in people, this cholesterol doesn't have a consumed in limited quantities. What's the are more harmful to our bodies than the cholesterol they provide: Trans fats found in processed foods Excessive fried snacks Red meat Excessive yolk intake These things have the potential to increase bad cholesterol in the body. How many eggs are considered safe? If your cholesterol levels are already high, balance is crucial. Most experts agree that 3–4 whole eggs per week are considered safe. This amount can be increased further if you limit your yolk intake. Egg whites are safe to eat, as they contain no cholesterol. How to make eggs even healthier? How eggs are cooked also affects their health. Boiling, steaming, cooking in water, or scrambled with less oil all make them lighter and healthier. The right combination for bread omelet - If you want to eat bread omelet every day, try to eat it in a way that is beneficial for your body: Choose whole grain bread - include vegetables, fruits and other fiber-rich foods. Fiber helps in reducing LDL cholesterol. Who needs more caution? In some circumstances, it is important to consult a doctor regarding the quantity of eggs: People with diabetes, family history of heart disease, high LDL For these people, the quantity of eggs should be decided on the basis of individual advice. Overall, eating bread omelet every day is not completely wrong, but it is important to prepare it in a balanced and correct manner. Eggs are nutritious, rich in protein and, if prepared properly, do not harm the body. Just pay attention to the amount of yolk, cooking method and your overall diet.a

What's the difference between body wash and body scrub? When should you use which one for healthy and glowing skin?

Both body wash and body scrub play different roles for our skin. Body wash gently cleanses daily and maintains moisture, especially for dry or sensitive skin. Meanwhile, body scrubs, used 1-2 times a week, deeply exfoliate, removing dead in this article. Most people consider body wash to skin. To maintain healthy and glowing skin, there limited to the face; it's also important to keep the biggest confusion during bathing is whether to use their working methods, benefits, and usage times and benefits to make the right choice. Let's learn Body wash is a liquid cleanser that cleanses the skin prevent skin from drying out. Furthermore, body the skin fresh. It's especially beneficial for those with and Deep Exfoliation - Body scrubs contain small improve blood circulation, clean pores, and leave times a week, as excessive scrubbing can cause skin wash is better because it is gentle and maintains daily

skin and smoothing the skin. Let's learn about both in detail be better for daily use. Body scrubs are used to remove dead are a few things to keep in mind. Proper skin care isn't skin on the entire body clean and healthy. Therefore, the body wash or body scrub. While both help cleanse the skin, differ. Therefore, it's crucial to understand their differences more about them. Body Wash and Daily Gentle Cleansing - daily with a mild foam. It contains moisturizing agents that wash removes dust, sweat, and pollution particles, keeping sensitive and dry skin as it retains moisture. Body Scrub granules or particles that help remove dead skin cells. Scrubs skin looking smooth and bright. It should be used only 1-2 sensitivity. Which is better for whom? - For daily use - Body moisture. For weekly deep cleansing, a body scrub is ideal as it removes dead skin and helps repair new skin. Dry/sensitive skin – Choose a moisturizing body wash and use less scrubbing. Oily/rough skin – Use a regular body wash and scrub twice a week. Proper use: Body wash – Apply to a loofah or soft sponge and gently apply to the entire body, then rinse with lukewarm water. Body scrub – Massage onto hydrated skin in gentle circular motions for 3–4 minutes, then rinse with water. Be sure to apply moisturizer afterward. Both products have different uses. Body wash gently cleanses and moisturizes daily, while body scrubs are essential for periodic deep exfoliation. The best way to maintain healthy and glowing skin is to use both in a balanced manner.

These 9 home remedies are a panacea for toothaches, providing relief in minutes.

Toothache can be caused by cavities, swollen gums, hot and cold, or infections. Some home remedies can provide immediate relief for mild pain, such as clove oil, salt water rinses, and garlic paste. In this article, let's explore some such remedies that can reduce inflammation and ease pain. Many people suffer from dental problems. Poor eating habits can contribute to toothaches. These remedies can help provide relief. our daily activities, sleep, and eating habits. This pain swollen gums, hot and cold, a broken tooth, food debris, considerable relief for mild and initial pain, but for long- Here, we've brought you some effective and safe home initial toothaches. Clove oil - The eugenol in cloves is a oil to a cotton ball and place it on the affected tooth or pain and swelling. Salt water rinse - Mix half a teaspoon This kills bacteria, reduces gum inflammation, and provides instant pain relief with its antibacterial and it directly to the painful area. Cold compress - Wrap ice the outside of the cheek for 10-15 minutes. It reduces juice - Onions have antimicrobial properties. Chew a painful area, which reduces bacteria. Mint tea bags - provide relief from toothaches. Cool a mint tea bag and - Grind equal amounts of each into a paste. Apply it to a natural pain relief. Hibiscus leaves - Grind fresh hibiscus

Toothache is not only uncomfortable but can also affect can be caused by many factors, including cavities, or a bacterial infection. Home remedies can provide lasting or severe pain, it's essential to consult a dentist. remedies that can play a significant role in relieving natural pain reliever and antiseptic. Apply a little clove gum for a few minutes. This provides relief from both of salt in lukewarm water and rinse 2-3 times a day. keeps teeth clean. Garlic paste - The allicin in garlic analgesic properties. Grind a clove of garlic and apply cubes in a thin cloth and place it on the affected area on inflammation and numbs nerves, reducing pain. Onion small piece of fresh onion slowly or apply its juice to the The cooling and mild numbing properties of mint place it on the affected area. Ginger and red chili paste cotton ball and place it on the painful area. This provides leaves into a paste and apply it to the gums or teeth. It has the ability to reduce swelling and infection. Turmeric paste - The curcumin in turmeric is effective in reducing inflammation and killing bacteria. Mix turmeric powder with water or mustard oil and apply it to the tooth. Caution is also important - these remedies are only for temporary relief. If the pain persists for more than 2-3 days, the swelling spreads, or a fever occurs, consult a dentist immediately. Let us tell you, it is easy to save teeth and gums by getting timely treatment.

The box office exploded on its first day, breaking the record of "Kantara Chapter 1."

Ranveer Singh's film "Dhurandhar" has had a strong opening at the box office, becoming Bollywood's longest film in 17 years. Despite limited marketing and controversy, the film has generated strong collections on its first day,

making it Ranveer Singh's biggest opening. Released on December 5th, Dhurandhar stars Ranveer Singh in the lead role. What was the first day's collection? Ranveer Singh's film "Dhurandhar" has released to a strong opening at the box office. Dhurandhar has become Bollywood's longest film in 17 years, with a running time of 3 hours, 34 minutes, and 1 second. The response to the film's trailer raised expectations that the film would perform well, and that appears to be the case. What is Dhurandhar's budget? - The film's minimal marketing and the cancellation of press shows led to speculation that this could impact the film's collections. Yami Gautam's note regarding paid PR, just a day before its release, further fueled these suspicions. However, it appears to be benefiting the film. According to a report by SacNilk, Dhurandhar was made on a budget of ?220 crore (220 crore rupees), including marketing costs. The producers plan to recoup half of the investment from non-theatrical revenue, including digital, satellite, and music rights. The remaining half is expected to be recovered from box office collections. What was the film's box office collection? - Speaking of its box office collections, the film had a strong opening, with early trends from SacNilk showing the film's collections reaching ?27.04 crore (270.4 million rupees). This is not the final figure, according to that it is expected that the film will easily cross the collection of Rs 30 crores. According to one estimate, this can be Ranveer Singh's film with the biggest opening. It has broken the record of Padmaavat released in the year 2018, which had an opening of Rs 24 crores. Apart from this, Dhurandhar has also left behind 'Simmba (Rs 20.72 crores) and Gully Boy (Rs 19.40 crores). Dhurandhar has also broken the record of Rishabh Shetty's 'Kaantara Chapter 1'. According to SacNilc, 'Kaantara Chapter 1' had collected Rs 18.5 crores on the first day in the Hindi belt.

Married on Bigg Boss, divorced in 2 months... Now Sara Khan has married for the second time, becoming the daughter-in-law of the Ramayana actor's family.

Bigg Boss fame Sara Khan has tied the knot for the second time. The actress has married her longtime boyfriend Krish Pathak. She has now become the daughter-in-law of the family of the onscreen Laxman of Ramayana.

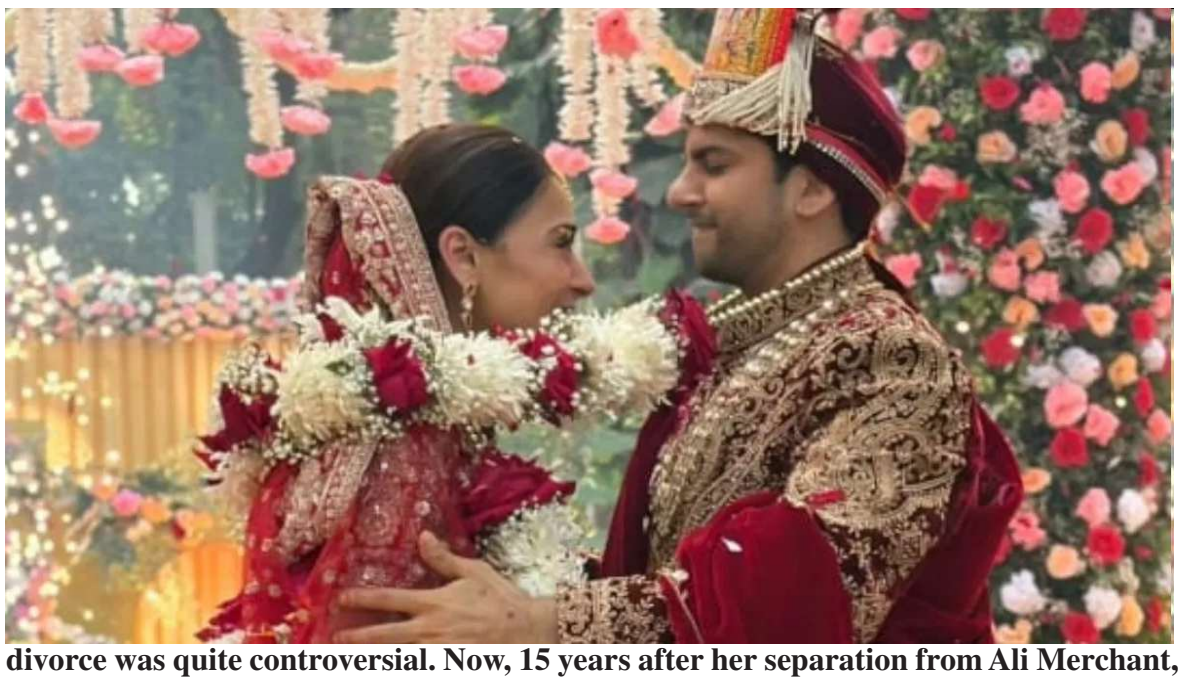

Bigg Boss fame Sara Khan marries, becoming the daughter-in-law of the Ramayana actor's family - Sara got engaged to Krish Pathak last month. Actress Sara Khan, who became a household name with "Sapna Babul Ka... Bidaai," has now tied the knot again. Sara married her longtime boyfriend Krish Pathak, son of Sunil Lahiri, who played Laxman in the Ramayana serial. Sara Khan and Krish Pathak have been dating for quite some time. Just last month, they had a private engagement and are now married. After the Haldi-Mehndi ceremony, the couple married according to Hindu customs on December 5th. Sara Khan became a bride for the second time - Sara Khan wore a red wedding dress. Photos from her wedding have surfaced on social media, showing her looking absolutely beautiful. She was dressed like a Pahadi bride, wearing a red saree and multilayered jewelry along with gold jewelry. The actress completed her look with a Pahadi Nath, which made her look stunning. Her groom, Raja Krish Pathak, looked handsome in a maroon sherwani. Many TV stars also attended their wedding. The couple also posed for the paparazzi after the wedding. Sara Khan's first marriage took place on Bigg Boss - Sara Khan was a participant in the reality show Bigg Boss Season 3. On this show, Sara Khan garnered the most attention for her love life and marriage. Sara Khan married co-contestant Ali Merchant on the show. This was the first time a contestant had married on the show. However, they separated within two months. Their divorce was quite controversial. Now, 15 years after her separation from Ali Merchant, Sara is starting her life anew.

Another new guest has arrived at Katrina Kaif's house, Vicky Kaushal brought a gift worth Rs 3.5 crore for the baby boy!

Bollywood star couple Katrina Kaif and Vicky Kaushal recently became parents. They welcomed a baby boy into their home. Now, another new guest has arrived in their home. A new guest has arrived in Katrina and Vicky's house - Katrina and Vicky became parents last month - Katrina Kaif gave birth to a baby boy. B-town's newly born star parents Katrina Kaif and Vicky Kaushal are enjoying a new phase of their lives, staying away from the limelight. Meanwhile, the actors have welcomed another new guest into their home. Katrina Kaif and Vicky Kaushal became parents for the first time just last month. On November 7, the 42-year-old actress gave birth to a baby boy. It hasn't even been a month since their baby's birth, and Vicky has welcomed a new guest into his home. Vicky Kaushal bought a car after becoming a father. This is considered a gift from Vicky Kaushal to his baby boy, costing over ?3 crore. This new guest is none other than the actor's shiny new luxury car, a Lexus. Vicky Kaushal recently purchased a Lexus LM350h 4S, the price of which will blow your mind. Price of Vicky Kaushal's new car: After becoming a father, Vicky brought home a shiny new white car. He was spotted with his new car in Mumbai. This 4-seater luxury model is priced between ?3.18 crore and ?3.20 crore. Vicky is very happy after becoming a father. Vicky Kaushal and Katrina Kaif have not yet revealed their baby's name or face. But the Chhava actor expressed his joy at becoming a father in a recent interview. Speaking to GQ, he said, "Becoming a father this year is my biggest moment of 2025. It's a magical feeling. I always thought I'd be very emotional and happy when the time came, but it's actually been the most fulfilling moment of my life."